RNI No.: UPHIN/25/A1698
NAVSARJAN SANSKRUTI

नवसर्जन संस्कृति

नवसर्जन संस्कृति

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 330
दि. 03.04.2026, शुक्रवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

काशी में दिखेगा 'सम्राट विक्रमादित्य' का प्रताप, सीएम योगी और मोहन यादव करेंगे महानाट्य का शुभारंभ

(जीएनएस)।

वाराणसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को दो दिवसीय दौरे पर वाराणसी पहुंचेंगे। सीएम योगी व मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के साथ बीएलडब्ल्यू में सम्राट विक्रमादित्य की जीवनी पर आधारित महानाट्य का शुभारंभ करेंगे। 3 से 5 अप्रैल तक मंचन वाले इस महानाट्य का उद्देश्य देश के गौरवशाली इतिहास, विक्रम संवत की वैज्ञानिकता और उस युग के अनुपम योगदान से जनमानस को परिचित कराना है।

बाबा विश्वनाथ को समर्पित होगी वैदिक घड़ी

भारतीय काल गणना की समृद्ध विरासत को पुनर्जीवित करने के इस प्रयास के अंतर्गत वाराणसी में सर्वप्रथम बाबा विश्वनाथ को वैदिक घड़ी समर्पित की जाएगी। इस घड़ी की विशेषता न केवल इसकी पारंपरिक गणना पद्धति है, बल्कि इसका डिजिटल विस्तार भी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार शाम करीब 5.30 बजे वाराणसी पहुंचेंगे। शाम करीब 7 बजे वह बीएलडब्ल्यू ग्राउंड पर इस महानाट्य को देखेंगे। इसके आयोजन की तैयारियों को अंतिम रूप दे दिया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 4 अप्रैल (शनिवार) की सुबह काशी कोतवाल बाबा कालभैरव और बाबा विश्वनाथ के दर्शन भी करेंगे।

3 से 5 अप्रैल तक होगा मंचन

वाराणसी के बीएलडब्ल्यू मैदान में 3 से 5 अप्रैल तक भारत के स्वाभिमान और विकास की गाथा का भव्य उत्सव मनाया जाएगा। मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश सरकार के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस तीन दिवसीय कार्यक्रम में महानाट्य 'सम्राट विक्रमादित्य' का ऐतिहासिक मंचन किया जाएगा। आयोजन स्थल पर विभिन्न ज्ञानवर्धक प्रदर्शनियां भी लगाई जा रही हैं। सम्राट विक्रमादित्य आधारित महानाट्य की प्रस्तुति लगभग 1.45 घंटे की होगी। मंच पर 175 से अधिक कलाकार और सहयोगी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे।

यूपी से कूड़े की राजनीति बाहर; सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट प्रोग्राम में सीएम योगी ने साधा निशाना

सीएम योगी आदित्यनाथ ने विपक्ष पर जोरदार निशाना साधा। कूड़े की राजनीति के बहाने उन्होंने विपक्ष की राजनीति पर करारा हमला बोल दिया है।

लखनऊः (जीएनएस)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इन दिनों चुनावी मोड में आते दिख रहे हैं। लगातार विपक्ष उनके निशाने पर है। नोएडा में जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट के उद्घाटन समारोह के बाद से विपक्ष पर योगी का वार लगातार बढ़ रहा है। सीएम योगी आदित्यनाथ के निशाने पर समाजवादी पार्टी और कांग्रेस विशेष रूप से है। सीएम योगी ने बुधवार को लखनऊ में पर्यावरण अनुकूल कचरा प्रबंधन वाहनों के एक बेड़े को हरी झंडी दिखाई। इस दौरान उन्होंने समाजवादी पार्टी पर तीखा हमला बोला।

सीएम योगी ने क्या कहा?

सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हमारी सरकार ने राज्य से कचरे की राजनीति को हटा दिया है। मुख्यमंत्री लखनऊ में सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट को मजबूत करने के लिए करीब 250 इलेक्ट्रिक और सीएनजी से चलने वाले वाहनों को हरी झंडी दिखाने के बाद एक सभा को संबोधित किया। इस दौरान उनके निशाने पर अखिलेश यादव की पिछली सरकार रही।

सीएम योगी ने कहा कि हमने और उत्तर प्रदेश के लोगों ने कचरे की राजनीति को उखाड़ फेंका है। पहले शासन और सोच दोनों गंदगी से भरे हुए थे, जिससे गंदगी और बीमारियां फैलती थीं।

सिस्टम का भी किया जिक्र

सीएम योगी ने प्रदेश में कचरा उठाव सिस्टम में आए बदलाव का भी जिक्र किया।

सीएम ने कहा कि प्रदेश में 2017 से पहले पिछली सरकारों के कामकाज के कारण घर-घर कचरा उठाने जैसी प्रभावी कचरा संग्रहण प्रणाली संभव नहीं थी। उन्होंने अखिलेश यादव के नेतृत्व वाली पूर्ववर्ती सरकार पर सीधा निशाना साधते हुए कहा कि पहले सत्ता में रहने वाले लोग खुद गंदगी में डूबे हुए थे।

सीएम योगी ने कहा कहा पिछली सरकार के कार्य और सोच उसी को प्रतिबिंबित करते थे। इसके परिणामस्वरूप इंसेफ्लाइटिस, डेंगू, मलेरिया और फाइलेरिया जैसी बीमारियां फैल गईं।

केरल चुनाव 2026: 4 अप्रैल को पीएम मोदी की तिरुवल्ला में रैली, एनडीए प्रत्याशियों के लिए रोड भी करेंगे

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के चुनाव प्रचार के तहत 4 अप्रैल को केरल का दौरा करेंगे. भाजपा सूत्रों के मुताबिक, इस दौरान वह तिरुवल्ला में एक बड़ी जनसभा को संबोधित करेंगे और तिरुवनंतपुरम में रोडशो भी करेंगे.

तिरुवल्ला में जनसभा, रोडशो में दिखेगा शक्ति प्रदर्शन

कार्यक्रम के अनुसार, प्रधानमंत्री दोपहर करीब 3 बजे कोट्टायम जिले के चांगनास्सेरी स्थित एनएसएस कॉलेज मैदान पहुंचेंगे और वहां से सड़क मार्ग से तिरुवल्ला रवाना होंगे. तिरुवल्ला के पब्लिक स्टेडियम में आयोजित जनसभा में आसपास के क्षेत्रों से राजग उम्मीदवार और पार्टी नेता मौजूद रहेंगे.

इसके बाद पीएम मोदी तिरुवनंतपुरम में किल्लीपलम जंक्शन से करमाना तक करीब 1.5 किलोमीटर लंबा रोडशो करेंगे, जिसमें बड़ी संख्या में कार्यकताओं और समर्थकों के शामिल होने की संभावना है.

वरिष्ठ नेता भी रहेंगे साथ, उम्मीदवारों से मुलाकात का कार्यक्रम

इस दौरान भाजपा के वरिष्ठ नेता राजीव चंद्रशेखर और वी मुरलीधरन भी मौजूद रहेंगे. प्रधानमंत्री के जिले के राजग उम्मीदवारों से मुलाकात करने की भी संभावना है, जिसके बाद वे शाम को दिल्ली लौट जाएंगे.

9 अप्रैल को होगा मतदान

केरल विधानसभा चुनाव के लिए 9 अप्रैल को वोटिंग होनी है, ऐसे में पीएम मोदी का यह दौरा चुनावी माहौल को और तेज करने वाला माना जा रहा है.

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अब 14 अप्रैल को आ सकते हैं दून, दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे का करेंगे लोकार्पण

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के इसी माह के दूसरे सप्ताह में देहरादून दौरे पर आ सकते हैं। अब 14 अप्रैल को प्रधानमंत्री दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे

का लोकार्पण कर सकते हैं।

प्रधानमंत्री मोदी का पहले चार अप्रैल को देहरादून आने का कार्यक्रम तय माना जा रहा था। इस दौरे में प्रधानमंत्री दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे का लोकार्पण करेंगे।

उत्तराखंड के लिए यह परियोजना गेमचेंजर मानी जाती है।

भाषा की शुद्धता सीखनी हो तो आज भी सुनें आकाशवाणी... मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ताजा कीं पुरानी यादें

(जीएनएस)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गुरुवार को आकाशवाणी लखनऊ के 89वें स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए. इस दौरान सीएम योगी ने पद्म पुरस्कार से सम्मानित विभूतियों और आकाशवाणी के वरिष्ठ लोक सेवा प्रसारकों को भी सम्मानित किया.

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ आकाशवाणी की 88 वर्ष की यात्रा को शानदार बताया है. उन्होंने कहा कि हमारे बचपन में स्मार्टफोन-टेलीविजन नहीं थे. लैंडलाइन फोन भी एकाध ही थे, उस समय सबसे पहली आवाज आकाशवाणी की सुनी थी. सुबह आकाशवाणी का कार्यक्रम भरत चले चित्रकूट धुन से प्रारंभ होता था. हम लोगों ने बचपन में सुना और देखा कि आकाशवाणी समाज को जोड़ने और भारत की आस्था को सम्मान देने का माध्यम बना. समाचार पत्रों की हेडलाइंस भी अलग-अलग समय में चलने वाले बुलेटिनों के माध्यम से पता चलती थी. उसमें भाषा की शुद्धता, समाचार की गुणवत्ता और सच्चाई भी झलकती थी. कहीं भी पीत पत्रकारिता नजर नहीं आती थी. जो जैसा है, वैसा प्रस्तुत करने का साहस था.

आकाशवाणी लखनऊ का 89वां स्थापना दिवस

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गुरुवार को आकाशवाणी लखनऊ के 89वें स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए. इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित इस कार्यक्रम में सीएम योगी ने पद्म पुरस्कार से सम्मानित विभूतियों और आकाशवाणी के वरिष्ठ लोक सेवा प्रसारकों को भी सम्मानित किया. इस दौरान आकाशवाणी लखनऊ की यात्रा पर आधारित लघु फिल्म भी दिखाई गई.

आकाशवाणी ज्ञानवर्धन के लिए सशक्त मंच था

सीएम योगी ने कहा कि उस समय आकाशवाणी के मुख्य केंद्र लखनऊ के साथ ही नजीमाबाद और गोरखपुर केंद्र से समाचार सुनने को मिलते थे. आकाशवाणी ने हिंदी की उप भाषाओं तथा भोजपुरी, अवधी, गढ़वाली, कुमाऊंनी समेत अलग-अलग बोलियों के जरिये स्थानीय लोगों को जोड़ने का एक माध्यम बनाया. आकाशवाणी केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि ज्ञानवर्धन, आस्था का सम्मान व स्थानीय लोकभाषाओं-लोककलाओं के लिए सशक्त मंच भी था.

सीएम योगी ने कहा कि गांव हो या शहर, जहां पहले कोई नहीं पहुंच पाता था, वहां आकाशवाणी पहुंच जाता था. 1924 में कांग्रेस के अधिवेशन में मो. अली जौहर ने वंदे मातरम का गायन किया था.

1937 में कांग्रेस ने तय किया कि इसके पहले दो छंद गाए जाने चाहिए. 1938 से आकाशवाणी लखनऊ में वंदे मातरम का गायन हो रहा है. आकाशवाणी देश की आजादी की लड़ाई को आगे बढ़ाने का मंच भी बना था. साथ ही कला-साहित्य, कृषि, युवा, हस्तशिल्प समेत अलग-अलग क्षेत्रों से जुड़ी विभूतियों के लिए व्यापक शोध किए जाते थे. उनकी बोली के अनुरूप कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाते थे। किसान रेडियो पर 'किसान दर्शन' कार्यक्रम सुनते थे.

सीएम योगी ने कहा कि आज हम लोग आकाशवाणी पर प्रधानमंत्री जी के 'मन की बात' सुनते हैं. यह कार्यक्रम 3 अक्टूबर 2014 से प्रारंभ हुआ. अब तक इसके 132 एपिसोड हो चुके हैं. देश के अलग-अलग क्षेत्रों में क्या विशिष्ट हो रहा है. विकसित भारत की संकल्पना को आगे बढ़ाने और समाज के लिए हम क्या विशिष्ट योगदान दे सकते हैं. इन सभी को ध्यान में रखकर पीएम मोदी के 'मन की बात' में देश प्रथम का भाव प्रदर्शित होता है. देश के लिए योगदान करने वाले लोगों की सराहना, उनकी उपलब्धियों के बारे में प्रधानमंत्री के मुख से सुनना बड़ा सम्मान है. पीएम मोदी हर बार 'मन की बात' में पांच-सात दृष्टांत प्रस्तुत करते हैं, जो हर भारतीय के लिए प्रेरणा है.

जनविश्वास का सशक्त माध्यम बना था आकाशवाणी

सीएम योगी ने कहा कि जब स्मार्टफोन, टेलीविजन, लैंडलाइन फोन की इतनी व्यवस्था नहीं थी, तब देश-दुनिया को जानने का माध्यम आकाशवाणी ही था. जहां सड़क-पगडंडी भी नहीं थी, वहां आकाशवाणी पहुंच चुका था. इसके कार्यक्रम लोगों को प्रेरित करते थे. आकाशवाणी ने लोकवाद्यों को भी प्रोत्साहित किया. जिन्होंने सड़क नहीं देखी, वे लोग भी अपने लोकवाद्य के साथ आकाशवाणी जाकर उसका वादन करते थे, तब देश को इन वाद्यों के बारे में जानकारी मिल पाती थी. आकाशवाणी किसानों, खिलाड़ियों के लिए प्लेटफॉर्म बना. आज हमारे पास जानकारी लेने के अनेक साधन हैं, लेकिन उस समय ऐसा कुछ भी नहीं था. हमने आकाशवाणी को आवाज से आगे बढ़कर जनविश्वास के प्रतीक के रूप में पीढ़ी दर पीढ़ी बढ़ते देखा है.

योगी ने विश्वास जताया-नए दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ेगा आकाशवाणी

सीएम ने इसके वर्तमान स्वरूप पर भी अपनी बातें रखीं. कहा कि 88 वर्ष पश्चात यह चिंतन की आवश्यकता है कि समय के अनुरूप हम अपने आप को कितना तैयार कर पाए हैं और आज के अनुरूप कार्यक्रम को कैसे और लोकप्रिय-प्रभावी बना सकते हैं.

प्रियंका चतुर्वेदी ने पीएम मोदी से की मुलाकात, फ्यूचर की पॉलिटिक्स पर किया बड़ा ऐलान

उद्धव ठाकरे गुट की राज्यसभा सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने गुरुवार (2 अप्रैल) को पीएम नरेंद्र मोदी से मुलाकात की. उन्होंने इसकी तस्वीर अपने सोशल मीडिया हैंडल पर शेयर की. उन्होंने मुलाकात के लिए प्रधानमंत्री का धन्यवाद किया और साथ ही अपने फ्यूचर की पॉलिटिक्स पर भी बड़ी बात कही. उन्होंने कहा कि वो विपक्ष की मुखर सदस्य बनी रहेंगी. देश को एक मजबूत विपक्ष की जरूरत है. 'यह मेरे लिए बहुत मायने रखता है' प्रियंका चतुर्वेदी ने एक्स पोस्ट में उन्होंने लिखा, "मैं आदरणीय प्रधानमंत्री मोदी को धन्यवाद देना चाहूंगी जिन्होंने मुझसे मुलाकात की और राज्यसभा में मेरे अनुभव को सुना।

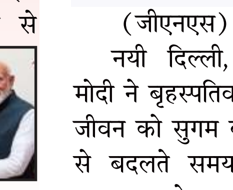

'नागरिक प्रथम' मंत्र को अपनाने की आवश्यकता: पीएम मोदी ने लोकसेवकों से कहा

(जीएनएस)।

नयी दिल्ली, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को नागरिकों के जीवन को सुगम बनाने के लिए तेजी से बदलते समय के साथ शासन व्यवस्था को लगातार अद्यतन करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

उन्होंने कहा कि आज देश के प्रशासन का मूल मंत्र 'नागरिक देवो भवः' है और सार्वजनिक सेवा को नागरिकों की जरूरतों के प्रति अधिक सक्षम और संवेदनशील बनाने के लिए पुनर्गठित किया जा रहा है।

मोदी ने 'साधना सप्ताह' कार्यक्रम की शुरूआत पर एक वीडियो संदेश में कहा, "शासन को अब सही मायने में नागरिक-केंद्रित बनाकर एक नयी पहचान दी जा रही है।"

प्रधानमंत्री ने कहा कि नागरिकों के जीवन की सुगमता और गुणवत्ता में सुधार के लिए शासन व्यवस्था ही मानदंड होनी चाहिए और उन्होंने लोक सेवकों से प्रतिदिन कुछ नया सीखने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, "हमारी शासन व्यवस्था यह सुनिश्चित करे कि नागरिकों के जीवन की गुणवत्ता में दिन-प्रतिदिन सुधार हो। यही हमारा सच्चा मानदंड है।"

प्रशासनिक संस्कृति में बुनियादी बदलाव की आवश्यकता पर जोर देते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि पुरानी व्यवस्था में 'अधिकारी' होने पर अत्यधिक जोर दिया जाता था, जबकि आज देश का ध्यान पूरी तरह कर्तव्य भावना पर केंद्रित है।

उन्होंने लोकसेवकों को संबोधित करते हुए कहा, "हर निर्णय से पहले यदि आप यह सोचें कि आपका कर्तव्य क्या मांगता है, तो आपके निर्णयों का प्रभाव खुद कई गुना बढ़ जाएगा।"

प्रधानमंत्री ने कहा कि तेजी से बदलती वैश्विक व्यवस्थाओं के बीच भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है और उसे अपनी शासन प्रणाली को लगातार अद्यतन करते रहना होगा।

लोकसेवकों को यह याद दिलाते हुए कि आम नागरिक के लिए स्थानीय सरकारी दफ्तर ही पूरे शासन का चेहरा होता है, मोदी ने कहा कि अधिकारियों की कार्यशैली और व्यवहार लोकतंत्र और संवैधानिक संस्थाओं में जनता के विश्वास को सीधे प्रभावित करते हैं।

मुझसे छीन ली गई 'सत्ता' मालदा कांड पर ममता बनर्जी का पलटवार, ईडी पर लगाया बड़ा आरोप

(जीएनएस)।

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव से ठीक पहले राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति नियंत्रण से बाहर होती दिख रही है। मालदा जिले में 7 न्यायिक अधिकारियों (जजों) को, और तीन महिलाओं को उग्र भीड़ ने करीब 9 घंटे तक बंधक बनाए रखा।

इस घटना पर सुप्रीम कोर्ट ने कड़ा रुख अपनाते हुए बंगाल सरकार को जमकर फटकार लगाई है। इस पूरे मामले पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का गुरुवार 2 अप्रैल को बयान दिया जो अब चर्चा के केंद्र में आ गया है।

वहीं मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इसका ठीकरा चुनाव आयोग (EC) के सिर फोड़ते हुए इसे 'सुपर राष्ट्रपति शासन' करार दिया है।

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का पलटवार, कहा- 'मुझे जानकारी ही नहीं दी गई'

एक जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि उन्हें इस गंभीर घटना की कोई जानकारी नहीं दी गई थी। उन्होंने कहा, मालदा में जो हुआ, उसके बारे में मुझे नहीं पता था। किसी ने मुझे सूचना तक नहीं दी। रात में लोगों ने जज के घर का घेराव कर लिया।

ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि

राज्य का प्रशासन अब उनके नियंत्रण में नहीं है और चुनाव आयोग (EC) पूरी व्यवस्था संभाल रहा है। उन्होंने कहा, मेरे सभी अधिकार चुनाव आयोग को दे दिए गए हैं। यह 'सुपर प्रेसिडेंट्स रूल' जैसा हो गया है।

मुख्यमंत्री ने चुनाव आयोग पर कानून-व्यवस्था संभालने में विफल रहने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि प्रशासनिक अधिकारियों के बड़े पैमाने पर तबादलों के बाद हालात बिगड़े हैं। ममता ने यह भी आरोप लगाया कि चुनाव आयोग केंद्र सरकार के इशारे पर काम कर रहा है। उन्होंने कहा, "वे गृह मंत्री अमित शाह की सुनते हैं, राज्य सरकार की नहीं।"

बंगाल में इस महीने दो चरणों में होने वाले चुनाव से पहले चुनाव आयोग के आदेश पर 'स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन' (रक्फ) यानी मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण का काम चल रहा है। विपक्षी दलों का आरोप है कि इस प्रक्रिया के जरिए जानबूझकर उनके समर्थकों के नाम वोटर लिस्ट से काटे जा रहे हैं।

बुधवार, 1 अप्रैल को मालदा में तब स्थिति बेकाबू हो गई जब बड़ी संख्या में लोगों ने पाया कि उनके नाम सूची से हटा दिए गए हैं। वोटर लिस्ट में सुधार और आपत्तियों के निस्तारण का काम कर रहे 7 न्यायिक अधिकारियों को भीड़ ने घेर लिया और उन्हें बंधक बना लिया।

यह बंधक संकट रात 1 बजे तक चला, जब पुलिस और अर्धसैनिक बलों की एक टुकड़ी ने हस्तक्षेप कर अधिकारियों को सुरक्षित निकाला। इस दौरान भीड़ ने जजों की गाड़ियों पर पथराव भी किया, जिसमें एक कार के शीशे चकनाचूर हो गए।

चुनाव से पहले उठा सियासी उबाल और रक्फ का विवाद

23 अप्रैल से शुरू होने वाले मतदान से पहले न्यायिक अधिकारी समय के खिलाफ दौड़ रहे हैं ताकि वोटर लिस्ट की गड़बड़ियों को सुधारा जा सके। लेकिन मालदा की घटना ने सुरक्षा व्यवस्था पर बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं। भाजपा ने इस घटना को 'जंगलराज' का सबूत बताया है,

बी.एल.एस. इंटर कॉलेज में धूमधाम से मनाया गया फाउंडर्स डे

लखनऊ। बी.एल.एस. इंटर कॉलेज ठाकुरगंज लखनऊ में फाउंडर्स डे बड़े ही धूमधाम और उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. नीरज बोरा उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरूआत संस्थापक स्वर्गीय गंगा प्रसाद साहू की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं श्रद्धांजलि अर्पित कर की गई। इसके बाद विद्यालय के उन प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया, जिन्होंने खेल प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय का नाम रोशन किया। मुख्य अतिथि ने विजेता बच्चों को मेडल एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया। अपने संबोधन में डॉ. नीरज बोरा ने विद्यालय की सराहना करते हुए कहा कि यह संस्थान शिक्षा के क्षेत्र में सराहनीय कार्य कर रहा है और यहां से शिक्षित विद्यार्थी समाज एवं देश के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को अनुशासन और परिश्रम के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। विद्यालय के प्रबंधक संदीप साहू ने संस्थापक स्वर्गीय गंगा प्रसाद साहू के संघर्षपूर्ण जीवन पर प्रकाश डालते हुए बताया कि लगभग 50 वर्ष पूर्व उन्होंने इस विद्यालय की स्थापना की थी। आज इस संस्थान से शिक्षा प्राप्त कर हजारों छात्र-छात्राएं विभिन्न क्षेत्रों में सफलता हासिल कर रहे हैं और विद्यालय का नाम रोशन कर रहे हैं इस अवसर पर संस्थापक की धर्मपत्नी अर्चना साहू ,डायरेक्टर प्रदीप साहू, प्रधानाचार्य रवि किशोर, उप प्रधानाचार्या रोमा जाफरी,शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन उत्साहपूर्ण वातावरण में हुआ।

उन्नाव के बांगरमऊ तहसील क्षेत्र के अंतर्गत फरीदपुर कट्टर के मजरा मल्हन पुरवा गांव में लगी भी सड़क करीब 70 लाख का हुआ नुकसान

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वायनाड में भाजपा कार्यकर्ता विनिता के.के. की तारीफ की और कहा कि वह सार्वजनिक बहस में प्रियंका गांधी वाड्रा से बेहतर प्रदर्शन कर सकती हैं। उन्होंने केरल चुनाव से पहले कार्यकर्ताओं से घर-घर संपर्क बढ़ाने और पार्टी के शासन रिकॉर्ड साझा करने का आग्रह किया।

उन्होंने 'मेरा बूथ सबसे मजबूत' कार्यक्रम के तहत नमो ऐप के जरिये केरल के बूथ स्तर के भाजपा कार्यकर्ताओं से बातचीत की। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं को जमीनी स्तर पर पार्टी की पहुंच मजबूत करने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान उन्होंने कई कार्यकर्ताओं से बातचीत की, जिसमें वायनाड जिले के मंथनवाड़ी से बूथ अध्यक्ष विनिता केके भी शामिल थीं।

उन्होंने सुझाव दिया कि स्थानीय मीडिया उनकी और वायनाड की मौजूदा सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा के बीच सार्वजनिक बहस कराए। उन्होंने कहा, मुझे पूरा भरोसा है कि आप मौजूदा कांग्रेस सांसद से बेहतर भाषण देंगी। मोदी ने जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं में आत्मविश्वास और तैयारी के महत्व पर जोर दिया।

प्रधानमंत्री ने बूथ स्तर के पार्टी कार्यकर्ताओं से कहा कि वे घर-घर जाकर चुनावी अभियान तेज करें और मतदाताओं को आगामी राज्य चुनावों में भाजपा और एनडीए को मौका देने के लिए प्रेरित करें।

उन्होंने कहा, आप (केरल के लोग) ने कांग्रेस और वामपंथियों को 75 साल दिए। भाजपा और एनडीए को पांच साल दें। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि वे पार्टी के शासन के रिकॉर्ड को उन राज्यों में साझा करें, जहां भाजपा पहले सत्ता में रही है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कार्यकर्ताओं को निर्देश दिया कि मतदान से पहले प्रत्येक मतदाता से कम से कम तीन बार संपर्क करें, ताकि लगातार जुड़ाव से विश्वास और समर्थन बढ़े। केरल की राजनीतिक स्थिति पर चर्चा करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि न केवल सत्तारूढ़ वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) बल्कि विपक्षी संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) भी भ्रष्टाचार और सांप्रदायिक राजनीति को बढ़ावा दे रहे हैं।

उन्होंने कहा, एलडीएफ और यूडीएफ सिर्फ भ्रष्टाचार और सांप्रदायिकता फैला रहे हैं, बल्कि केरल को दोहरी चोट भी पहुंचा रहे हैं। प्रधानमंत्री ने भारतीय क्रिकेटर संजू सैमसन को भाजपा कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणा बताया।

परिवहन विभाग ने बिना हेलमेट और यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों के कांटे चालान

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वायनाड में भाजपा कार्यकर्ता विनिता के.के. की तारीफ की और कहा कि वह सार्वजनिक बहस में प्रियंका गांधी वाड्रा से बेहतर प्रदर्शन कर सकती हैं। उन्होंने केरल चुनाव से पहले कार्यकर्ताओं से घर-घर संपर्क बढ़ाने और पार्टी के शासन रिकॉर्ड साझा करने का आग्रह किया।

उन्होंने 'मेरा बूथ सबसे मजबूत' कार्यक्रम के तहत नमो ऐप के जरिये केरल के बूथ स्तर के भाजपा कार्यकर्ताओं से बातचीत की। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं को जमीनी स्तर पर पार्टी की पहुंच मजबूत करने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान उन्होंने कई कार्यकर्ताओं से बातचीत की, जिसमें वायनाड जिले के मंथनवाड़ी से बूथ अध्यक्ष विनिता केके भी शामिल थीं।

उन्होंने सुझाव दिया कि स्थानीय मीडिया उनकी और वायनाड की मौजूदा सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा के बीच सार्वजनिक बहस कराए। उन्होंने कहा, मुझे पूरा भरोसा है कि आप मौजूदा कांग्रेस सांसद से बेहतर भाषण देंगी। मोदी ने जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं में आत्मविश्वास और तैयारी के महत्व पर जोर दिया।

प्रधानमंत्री ने बूथ स्तर के पार्टी कार्यकर्ताओं से कहा कि वे घर-घर जाकर चुनावी अभियान तेज करें और मतदाताओं को आगामी राज्य चुनावों में भाजपा और एनडीए को मौका देने के लिए प्रेरित करें।

उन्होंने कहा, आप (केरल के लोग) ने कांग्रेस और वामपंथियों को 75 साल दिए। भाजपा और एनडीए को पांच साल दें। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि वे पार्टी के शासन के रिकॉर्ड को उन राज्यों में साझा करें, जहां भाजपा पहले सत्ता में रही है।

बिलसंडा में हनुमान जयंती की भव्य धूम, थानाध्यक्ष सिद्धांत शर्मा ने किया पूजन व प्रसाद वितरण

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वायनाड में भाजपा कार्यकर्ता विनिता के.के. की तारीफ की और कहा कि वह सार्वजनिक बहस में प्रियंका गांधी वाड्रा से बेहतर प्रदर्शन कर सकती हैं। उन्होंने केरल चुनाव से पहले कार्यकर्ताओं से घर-घर संपर्क बढ़ाने और पार्टी के शासन रिकॉर्ड साझा करने का आग्रह किया।

उन्होंने 'मेरा बूथ सबसे मजबूत' कार्यक्रम के तहत नमो ऐप के जरिये केरल के बूथ स्तर के भाजपा कार्यकर्ताओं से बातचीत की। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं को जमीनी स्तर पर पार्टी की पहुंच मजबूत करने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान उन्होंने कई कार्यकर्ताओं से बातचीत की, जिसमें वायनाड जिले के मंथनवाड़ी से बूथ अध्यक्ष विनिता केके भी शामिल थीं।

उन्होंने सुझाव दिया कि स्थानीय मीडिया उनकी और वायनाड की मौजूदा सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा के बीच सार्वजनिक बहस कराए। उन्होंने कहा, मुझे पूरा भरोसा है कि आप मौजूदा कांग्रेस सांसद से बेहतर भाषण देंगी। मोदी ने जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं में आत्मविश्वास और तैयारी के महत्व पर जोर दिया।

प्रधानमंत्री ने बूथ स्तर के पार्टी कार्यकर्ताओं से कहा कि वे घर-घर जाकर चुनावी अभियान तेज करें और मतदाताओं को आगामी राज्य चुनावों में भाजपा और एनडीए को मौका देने के लिए प्रेरित करें।

उन्होंने कहा, आप (केरल के लोग) ने कांग्रेस और वामपंथियों को 75 साल दिए। भाजपा और एनडीए को पांच साल दें। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि वे पार्टी के शासन के रिकॉर्ड को उन राज्यों में साझा करें, जहां भाजपा पहले सत्ता में रही है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कार्यकर्ताओं को निर्देश दिया कि मतदान से पहले प्रत्येक मतदाता से कम से कम तीन बार संपर्क करें, ताकि लगातार जुड़ाव से विश्वास और समर्थन बढ़े। केरल की राजनीतिक स्थिति पर चर्चा करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि न केवल सत्तारूढ़ वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) बल्कि विपक्षी संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) भी भ्रष्टाचार और सांप्रदायिक राजनीति को बढ़ावा दे रहे हैं।

बांगरमऊ नगर के लखनऊ रोड पर स्थित अप्सरा मेरी लान में पूर्व विधायक बदलू खान द्वारा ईद वा होली मिलन समारोह आयोजित किया गया

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वायनाड में भाजपा कार्यकर्ता विनिता के.के. की तारीफ की और कहा कि वह सार्वजनिक बहस में प्रियंका गांधी वाड्रा से बेहतर प्रदर्शन कर सकती हैं। उन्होंने केरल चुनाव से पहले कार्यकर्ताओं से घर-घर संपर्क बढ़ाने और पार्टी के शासन रिकॉर्ड साझा करने का आग्रह किया।

उन्होंने 'मेरा बूथ सबसे मजबूत' कार्यक्रम के तहत नमो ऐप के जरिये केरल के बूथ स्तर के भाजपा कार्यकर्ताओं से बातचीत की। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं को जमीनी स्तर पर पार्टी की पहुंच मजबूत करने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान उन्होंने कई कार्यकर्ताओं से बातचीत की, जिसमें वायनाड जिले के मंथनवाड़ी से बूथ अध्यक्ष विनिता केके भी शामिल थीं।

उन्होंने सुझाव दिया कि स्थानीय मीडिया उनकी और वायनाड की मौजूदा सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा के बीच सार्वजनिक बहस कराए। उन्होंने कहा, मुझे पूरा भरोसा है कि आप मौजूदा कांग्रेस सांसद से बेहतर भाषण देंगी। मोदी ने जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं में आत्मविश्वास और तैयारी के महत्व पर जोर दिया।

प्रधानमंत्री ने बूथ स्तर के पार्टी कार्यकर्ताओं से कहा कि वे घर-घर जाकर चुनावी अभियान तेज करें और मतदाताओं को आगामी राज्य चुनावों में भाजपा और एनडीए को मौका देने के लिए प्रेरित करें।

उन्होंने कहा, आप (केरल के लोग) ने कांग्रेस और वामपंथियों को 75 साल दिए। भाजपा और एनडीए को पांच साल दें। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि वे पार्टी के शासन के रिकॉर्ड को उन राज्यों में साझा करें, जहां भाजपा पहले सत्ता में रही है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कार्यकर्ताओं को निर्देश दिया कि मतदान से पहले प्रत्येक मतदाता से कम से कम तीन बार संपर्क करें, ताकि लगातार जुड़ाव से विश्वास और समर्थन बढ़े। केरल की राजनीतिक स्थिति पर चर्चा करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि न केवल सत्तारूढ़ वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) बल्कि विपक्षी संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) भी भ्रष्टाचार और सांप्रदायिक राजनीति को बढ़ावा दे रहे हैं।

बिलसंडा रोड पर ग्राम नांद में अब्दुल कलाम की कपड़ों की दुकान में शॉर्टसर्किट से लगी भयानक आग, 3 लाख रुपये का भारी नुकसान

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वायनाड में भाजपा कार्यकर्ता विनिता के.के. की तारीफ की और कहा कि वह सार्वजनिक बहस में प्रियंका गांधी वाड्रा से बेहतर प्रदर्शन कर सकती हैं। उन्होंने केरल चुनाव से पहले कार्यकर्ताओं से घर-घर संपर्क बढ़ाने और पार्टी के शासन रिकॉर्ड साझा करने का आग्रह किया।

उन्होंने 'मेरा बूथ सबसे मजबूत' कार्यक्रम के तहत नमो ऐप के जरिये केरल के बूथ स्तर के भाजपा कार्यकर्ताओं से बातचीत की। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं को जमीनी स्तर पर पार्टी की पहुंच मजबूत करने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान उन्होंने कई कार्यकर्ताओं से बातचीत की, जिसमें वायनाड जिले के मंथनवाड़ी से बूथ अध्यक्ष विनिता केके भी शामिल थीं।

उन्होंने सुझाव दिया कि स्थानीय मीडिया उनकी और वायनाड की मौजूदा सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा के बीच सार्वजनिक बहस कराए। उन्होंने कहा, मुझे पूरा भरोसा है कि आप मौजूदा कांग्रेस सांसद से बेहतर भाषण देंगी। मोदी ने जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं में आत्मविश्वास और तैयारी के महत्व पर जोर दिया।

प्रधानमंत्री ने बूथ स्तर के पार्टी कार्यकर्ताओं से कहा कि वे घर-घर जाकर चुनावी अभियान तेज करें और मतदाताओं को आगामी राज्य चुनावों में भाजपा और एनडीए को मौका देने के लिए प्रेरित करें।

उन्होंने कहा, आप (केरल के लोग) ने कांग्रेस और वामपंथियों को 75 साल दिए। भाजपा और एनडीए को पांच साल दें। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि वे पार्टी के शासन के रिकॉर्ड को उन राज्यों में साझा करें, जहां भाजपा पहले सत्ता में रही है।

पवनपुत्र हनुमान जी के जन्म से देवत्व तक की महागाथा

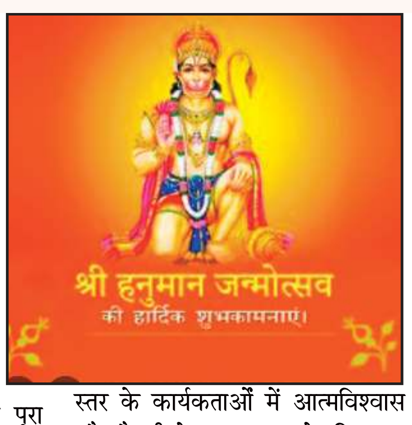

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वायनाड में भाजपा कार्यकर्ता विनिता के.के. की तारीफ की और कहा कि वह सार्वजनिक बहस में प्रियंका गांधी वाड्रा से बेहतर प्रदर्शन कर सकती हैं। उन्होंने केरल चुनाव से पहले कार्यकर्ताओं से घर-घर संपर्क बढ़ाने और पार्टी के शासन रिकॉर्ड साझा करने का आग्रह किया।

उन्होंने 'मेरा बूथ सबसे मजबूत' कार्यक्रम के तहत नमो ऐप के जरिये केरल के बूथ स्तर के भाजपा कार्यकर्ताओं से बातचीत की। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं को जमीनी स्तर पर पार्टी की पहुंच मजबूत करने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान उन्होंने कई कार्यकर्ताओं से बातचीत की, जिसमें वायनाड जिले के मंथनवाड़ी से बूथ अध्यक्ष विनिता केके भी शामिल थीं।

उन्होंने सुझाव दिया कि स्थानीय मीडिया उनकी और वायनाड की मौजूदा सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा के बीच सार्वजनिक बहस कराए। उन्होंने कहा, मुझे पूरा भरोसा है कि आप मौजूदा कांग्रेस सांसद से बेहतर भाषण देंगी। मोदी ने जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं में आत्मविश्वास और तैयारी के महत्व पर जोर दिया।

प्रधानमंत्री ने बूथ स्तर के पार्टी कार्यकर्ताओं से कहा कि वे घर-घर जाकर चुनावी अभियान तेज करें और मतदाताओं को आगामी राज्य चुनावों में भाजपा और एनडीए को मौका देने के लिए प्रेरित करें।

उन्होंने कहा, आप (केरल के लोग) ने कांग्रेस और वामपंथियों को 75 साल दिए। भाजपा और एनडीए को पांच साल दें। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि वे पार्टी के शासन के रिकॉर्ड को उन राज्यों में साझा करें, जहां भाजपा पहले सत्ता में रही है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कार्यकर्ताओं को निर्देश दिया कि मतदान से पहले प्रत्येक मतदाता से कम से कम तीन बार संपर्क करें, ताकि लगातार जुड़ाव से विश्वास और समर्थन बढ़े। केरल की राजनीतिक स्थिति पर चर्चा करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि न केवल सत्तारूढ़ वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) बल्कि विपक्षी संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) भी भ्रष्टाचार और सांप्रदायिक राजनीति को बढ़ावा दे रहे हैं।

उन्होंने कहा, एलडीएफ और यूडीएफ सिर्फ भ्रष्टाचार और सांप्रदायिकता फैला रहे हैं, बल्कि केरल को दोहरी चोट भी पहुंचा रहे हैं। प्रधानमंत्री ने भारतीय क्रिकेटर संजू सैमसन को भाजपा कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणा बताया। उन्होंने कहा कि जैसे क्रिकेटर संजू सैमसन ने विश्व कप के नॉकआउट चरण में अपने खेल की ताकत से प्रदर्शन की चरम सीमा को छुआ,

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से सिंगापुर के उच्चायुक्त ने की शिष्टाचार भेंट

(जीएनएस)।

लखनऊ, दो अप्रैल भारत में सिंगापुर के उच्चायुक्त साइमन वोंग ने बृहस्पतिवार को यहां उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से शिष्टाचार भेंट की।

इस अवसर पर दोनों के बीच उत्तर प्रदेश और सिंगापुर के मध्य निवेश, कौशल विकास, आधारभूत संरचना तथा सांस्कृतिक सहयोग को और सुदृढ़ करने पर चर्चा हुई।

राज्य सरकार के एक बयान के मुताबिक वोंग ने फरवरी में मुख्यमंत्री की सिंगापुर यात्रा को सफल बताते हुए कहा कि इस दौरे ने न केवल सिंगापुर, बल्कि आस-पास के देशों के औद्योगिक जगत में भी उत्तर प्रदेश के प्रति सकारात्मक और भरोसेमंद संदेश दिया है।

बयान के अनुसार वोंग ने कहा कि औद्योगिक समुदाय उत्तर प्रदेश को एक नए अवसर और संभावनाओं के केंद्र के रूप में देख रहा है, जो भारत-सिंगापुर संबंधों को नई ऊंचाइयों तक ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

उच्चायुक्त ने यह भी कहा कि आगामी महीनों में सिंगापुर के औद्योगिक जगत का एक बड़ा प्रतिनिधिमंडल उत्तर प्रदेश का दौरा करेगा, जो राज्य में निवेश के विविध अवसरों का अवलोकन करते हुए बड़े निवेश प्रस्तावों को मूर्त रूप देने की दिशा में आगे बढ़ेगा।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश आज 'रिफॉर्म, परफॉर्म और ट्रांसफॉर्म' के मंत्र के साथ देश की सबसे तीव्र गति से विकसित होती अर्थव्यवस्थाओं में अग्रणी बनकर उभरा है।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार निवेशकों को सुरक्षित, पारदर्शी एवं उद्योग-अनुकूल वातावरण प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री ने सिंगापुर को एक विश्वस्तरीय आर्थिक एवं तकनीकी साझेदार बताते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार औद्योगिक निवेश, शहरी विकास, लॉजिस्टिक्स, कौशल विकास तथा पर्यटन के क्षेत्रों में सिंगापुर के साथ दीर्घकालिक और परिणामोन्मुखी सहयोग के लिए तत्पर है।

उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आगामी प्रतिनिधिमंडल का दौरा दोनों पक्षों के बीच निवेश एवं साझेदारी के नए आयाम स्थापित करेगा।

सुकून, हरियाली और लक्जरी का बेहतरीन मेल ओमेक्स 'द रिसार्ट'

जहां शहर की रफ़्तार थमती है और ज़िंदगी खुलकर सांस लेती है

ओमेक्स का 'द रिसार्ट' टाउनशिप, न्यू हजरतगंज क्षेत्र में चुनिंदा आवासों की पेशकश

लखनऊ, 2 अप्रैल 2026, लखनऊ के बीचों-बीच ओमेक्स की प्रीमियम रेज़िडेंशियल टाउनशिप तैयार हो रही है। 'ओमैक्स द वर्ल्ड' में 'द रिसार्ट', जहां सुबहें ताजगी से भरपूर होती हैं और शाम मन को सुकून देने वाली होती हैं। ऐसे शांत और सुरक्षित वातावरण में भला कौन नहीं रहना चाहेगा। इन्हीं सब खूबियों के चलते ओमैक्स की यह टाउनशिप लखनऊ में अपना आशियाना तलाशने वालों का ध्यान खींच रही है। पहले से आबाद क्षेत्र में सफलतापूर्वक विकसित यह टाउनशिप ओमेक्स न्यू हजरतगंज के बेहद नजदीक है। यह स्थान लखनऊ के सबसे स्थापित और भरोसेमंद रिहायशी इलाकों में शामिल है।

'द रिसार्ट' में 3 बीएचके और 4 बीएचके अपार्टमेंट्स के साथ प्रीमियम पेंटहाउस विकल्प उपलब्ध हैं। हर फ्लोर पर केवल 2 अपार्टमेंट्स, 3 तरफ खुले घर, बड़ी बालकनी और भरपूर प्राकृतिक रोशनी इस प्रोजेक्ट को लो-डेंसिटी और हाई-प्राइवेसी रेज़िडेंशियल ऑप्शन बनाते हैं। इन सभी के सैंपल फ्लैट्स तैयार कर लिये गए हैं और 27 दिसंबर 2027 से इसका पजेशन देना शुरू कर दिया जाएगा। बता दें कि यह साइट विजिट के लिहाज से पूरी तरह से तैयार है।

ओमेक्स के बिजनेस हेड श्री अंजनी कुमार पाण्डेय जी अनुसार, ओमेक्स के अनुसार, 'द रिसार्ट' उन खरीदारों के लिए एक खास अवसर है, जो लखनऊ के बीचों-बीच एक स्थापित ब्रांड के साथ शांत, सुरक्षित और खुली रिहाइश की तलाश कर रहे हैं। आज के समय में, जब शहर तेजी से सघन हो रहा है, 'द रिसार्ट' उन लोगों के लिए है जो मानते हैं कि असली लक्जरी केवल बड़े घर नहीं, बल्कि सही लोकेशन, खुलापन और सुकून का संतुलन है।

यह टाउनशिप एक्सक्लूसिव क्लब हाउस आधुनिक जीवनशैली की सभी जरूरतों को पूरा करता है, जिसमें जिम, योगा स्पेस, स्पा, स्क्वैश कोर्ट, इंडोर गेम्स, बैंक्वेट हॉल और रूफटॉप कैफे शामिल हैं। बच्चों के लिए प्ले एरिया, किड्स पूल, स्केटिंग ट्रैक और सैंड पिट जैसी सुविधाएं परिवारों के लिए इसे और भी आकर्षक बनाती हैं। इसके साथ ही स्विमिंग पूल, एम्फीथिएटर, मल्टीपर्पज लॉन और ओपन सिटिंग एरिया 'द रिसार्ट' को केवल एक आवासीय प्रोजेक्ट नहीं, बल्कि एक संपूर्ण जीवनशैली का अनुभव बनाते हैं।

अमर शहीद पथ और गोमती नगर एक्सटेंशन से सीधी कनेक्टिविटी के बावजूद 'द रिसार्ट' की सबसे बड़ी पहचान इसके भीतर मौजूद शांत वातावरण और हरियाली है। ऊंचे टावरों के बीच फैला बड़ा सेंट्रल ग्रीन, पानी के एलिमेंट्स, जॉगिंग ट्रैक और खुले स्पेस इसे शहर की भीड़-भाड़ से अलग एक निजी और सुकून भरी रिहाइश बनाते हैं। यह प्रोजेक्ट इस तरह डिजाइन किया गया है कि शहर की सभी सुविधाएं पास रहते हुए भी घर लौटते ही शांति का अनुभव हो।

लोकेशन के लिहाज से 'द रिसार्ट' लखनऊ के प्रमुख स्थानों से बेहद करीब है। यहां अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम से लेकर विश्वस्तरीय अस्पताल और मॉल शामिल हैं। इतना ही नहीं इसके नजदीक बना उत्तर प्रदेश पुलिस का मुख्यालय इस लोकेशन को और भी खास और सुरक्षित बनाता है। इसके साथ ही शहर के प्रमुख स्कूल और प्रस्तावित मेट्रो कनेक्टिविटी और सुविधाजनक रिहायशी विकल्पों में शामिल करती है।

RNI No.: UPHIN/25/A1698 Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : VINOD KUMARI
Regd.Office : B/13, Sneh Plaza Shopping Center, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad - 382 424 Gujarat,India. Phone : (o) 7698333307 (M) 8485951747,7096333307
Email:navsarjansanskruti2016@gmail.com*navsarjansanskruti2016@yahoo.com*Website : www.navsarjansanskruti.com

सम्पादकीय

अमेरिका- इजरायल के साथ जंग के बीच ईंरान लगातार खाड़ी देशों पर कर रहा हमला

यूएई यानी संयुक्त अरब अमीरात को बनाने में 40 वर्ष लगे और तबाह होने में मुश्किल से 10 दिन ही लगे। दुबई जो दुनिया के सबसे आधुनिक शहरों में से एक माना जाता था, सुरक्षित माना जाता था जो दुनिया का नया हब बन गया था उसको ईंरान ने ऐसा तबाह किया कि वह इतने पीछे चला गया कि अब उसे वषरे लगेंगे उसी स्थिति में पहुंचने पर। अमेरिका-इजरायल के साथ जंग के बीच ईंरान लगातार खाड़ी देशों पर हमला कर रहा है। एक खास बात सामने आई है कि ईंरान सबसे ज्यादा यूएई को निशाना बना रहा है। जिस दिन से (29 फरवरी) जंग शुरू हुई तब से ईंरान ने 1714 ड्रोन, 334 बैलिस्टिक मिसाइल दागकर तबाही की इबारत लिख दी है। आखिर ईंरान दुबई, आबू धाबी पर लगातार हमले क्यों कर रहा है? अमेरिका-इजरायल-ईंरान की इस जंग में ईंरान ने हमलों में दुबई के आलीशान होटल, रिफाइनरी, एयरपोर्ट और प्रमुख कॉमर्शियल जोन को काफी प्रभावित किया है। आखिर दुबई को तबाह करने के पीछे ईंरान की रणनीति क्या है? क्या इसका कारण सिर्प इतना है कि अमेरिका वहां से अपने सैन्य अड्डे संचालित करता है? या इन हमलों के पीछे ईंरान के वुछ और इरादे हैं? तो इसका जवाब हथियारों से ज्यादा इकोनॉमिक्स और इंवेस्टमेंट के आसपास घूमती है। दरअसल दुबई वाशिंगटन की वह कमजोर नस है, जिसे दबाते ही दर्द सीधे ट्रंप को व्हाइट हाउस में बैठे होने लगता है। मागा (मेक अमेरिका ग्रेट आगेन) के नाटो के साथ डोनाल्ड ट्रंप की अमेरिकी सत्ता में दूसरी बार वापसी हुईं। जबसे वे सत्ता में लौटे हैं, उनका पूरा फोकस अमेरिका की अर्थव्यवस्था को बूस्ट करने और बड़े पैमाने पर विदेशी निवेश खींचने पर रहा है। व्हाइट हाउस के आंकड़ों के मुताबिक 2025 में अमेरिका को अगले दस वर्षो में निवेश के लिए 5.2 ट्रिलियन डॉलर की विदेशी कमिटमेंट्स मिली है तो इस 5.2 ट्रिलियन डॉलर में से सबसे बड़ा हिस्सा यूएई इनवेस्ट कर रहा है। अकेले 1.4 ट्रिलियन डॉलर (यानी वुल निवेश का 27 प्रतिशत) सिर्प यूएई ने वादा किया है। सीधे शब्दों में कहा जाए तो यूएई अमेरिका के लिए कमजोर कड़ी बन गया है। ईंरान अच्छी तरह जानता है कि अगर दुबई पर मिसाइलें गिरेंगी तो वहां की अर्थव्यवस्था डगमगाएगी और अगर दुबई की अर्थव्यवस्था हिली तो अमेरिका में आने वाले 1.4 ट्रिलियन डॉलर का वह निवेश सीधे तौर पर खतरे में पड़ जाएगा, जिस पर ट्रंप अपनी राजनीतिक रोटियां सेंक रहे हैं। ईंरान का निशाना सिर्प अमेरिका में जाने वाला दुबई का पैसा नहीं है, बल्कि ग्लोबल इंवेस्टमेंट हब के रूप में दुबई और यूएई की पहचान तबाह करना है। दुबई जो आर्थिक, डिजिटल और मीडिया हब रहा है, इस युद्ध में बुरी तरह प्रभावित हुआ है। मुख्य शेयर सूचकांक एडीएक्स जनरल में पिछले महीने में 11.42 प्रतिशत की गिरावट आई है। हवाई क्षेत्र बंद होने और उड़ानों के रद्द होने से पर्यटन और एविएशन सेक्टर में दुबई को करीब 9 करोड़ डॉलर का नुकसान हुआ है। यूएई सरकार और मीडिया ने देश को सुरक्षित जगह वाली छवि बनाएं रखने की कोशिश की। राष्ट्रपति मोहम्मद बिन जायेद ने लोगों को भरोसा दिलाया है कि सब वुछ नियंत्रण में है और देश हर खतरे से निपटने के लिए तैयार है। साथ ही अटानी जनरल हमाद सैफ अल शम्सी ने हमलों की तस्वीरें और वीडियो साझा करने की सख्त चेतावनी दी। इस आदेश के तहत कई विदेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया गया, जिस पर कम से कम एक साल की सजा और भारी जुमार्ने का प्रावधान है। ईंरान दुनिया को यह कड़ा संदेश दे रहा है कि युद्ध के मैदान से हजारों किलोमीटर दूर बैठकर भी वह अमेरिका की दुखती आर्थिक नस को काट सकता है। हर ड्रोन हमला, मिसाइल स्ट्राइक दुबई और यूएई और खाड़ी देशों की उस सुरक्षित और स्थिर छवि पर एक करारा प्रहार है, जिसे उन्होंने सालों के रिफार्म और शानदार इंप्रास्ट्रक्चर के दम पर बनाया है।

संवाद और सहयोग से भारत और रूस के संसदीय संबंध और प्रगाढ़ होंगेः लोक सभा अध्यक्ष

लोक सभा अध्यक्ष ने संसदीय राजनय को और मजबूत करने तथा भारत और रूस के बीच सहयोग के नए क्षेत्रों पर विचार करने का आह्वान किया

भारत-रूस संसदीय संवाद में आई तेजीः रूसी संसदीय शिष्टमंडल ने लोक सभा अध्यक्ष से भेंट की

(जीएनएस)।

रशियन फेडेरेशन की फेडरल एसेम्बली की फेडेरेशन काउंसिल के फर्स्ट डेप्युटी स्पीकर, महामहिम श्री व्लादिमिर याकुशेव के नेतृत्व में भारत यात्रा पर आए रूस के संसदीय शिष्टमंडल ने आज संसद भवन में लोक सभा अध्यक्ष, श्री ओम बिरला से भेंट की।

रूसी शिष्टमंडल का स्वागत करते हुए, अध्यक्ष महोदय ने श्री याकुशेव को फेडरेशन काउंसिल के संसदीय मैत्री समूह के अध्यक्ष के रूप में उनके चुनाव पर बधाई दी। उन्होंने उल्लेख किया कि यह चुनाव भारत के साथ संसदीय सहयोग बढ़ाने के प्रति रूस की निरंतर प्रतिबद्धता को दशार्ती है।

इस बात पर जोर देते हुए कि संवाद और सहयोग से भारत और रूस के संसदीय संबंध और प्रगाढ़ होंगे, श्री बिरला ने कहा कि दोनों देशों की साझेदारी परस्पर विश्वास पर आधारित है और समय की कसौटी पर खरी उतरी हैं। उन्होंने इस बात का उल्लेख किया कि भारत की स्वतंत्रता के बाद से, रूस इसके सबसे करीबी और विश्वसनीय भागीदारों में से एक रहा है, और दोनों देशों के लोगों के बीच मित्रता और सहयोग पूरे विश्व के लिए एक उदाहरण है।

श्री बिरला ने दोनों देशों के बीच हाल ही में हुए उच्च स्तरीय संपर्क और प्रधानमंत्री, श्री नरेंद्र मोदी तथा रूस के राष्ट्रपति, श्री व्लादिमीर पुतिन के बीच निरंतर संवाद का उल्लेख करते हुए कहा कि इन संवादों से द्विपक्षीय संबंध और मजबूत हुए हैं और सहयोग के नए मार्ग खुले हैं।

दोनों पक्षों ने अंतर-संसदीय संघ (आईपीयू), ब्रिक्स संसदीय मंच और जी-20 जैसे बहुपक्षीय संसदीय मंचों पर सहयोग के महत्व को रेखांकित किया। अध्यक्ष महोदय ने वैश्विक चुनौतियों का सामूहिक रूप से समाधान करने के लिए सहयोग की

भावना को और मजबूत करने की आवश्यकता पर बल दिया। चर्चा के दौरान रक्षा, व्यापार और आर्थिक सहयोग जैसे प्रमुख क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग पर भी प्रकाश डाला गया। अंतरिक्ष अनुसंधान, आर्टिफिशयल इंटेलिजेंस (एआई) और स्वच्छ ऊर्जा की पहचान उभरते क्षेत्रों के रूप में की गई जिनमें भविष्य के सहयोग की संभावना है।

श्री बिरला ने भारत और रूस के बीच मजबूत सांस्कृतिक संबंधों और दोनों देशों के लोगों के घनिष्ठ संबंधों का उल्लेख भी किया। रूसी विश्वविद्यालयों में बड़ी संख्या में भारतीय छात्रों की उपस्थिति के साथ-साथ रूस में योग और भारतीय सिनेमा की लोकप्रियता, दोनों देशों के बीच गहरे सांस्कृतिक लगाव को दशार्ती है। उन्होंने यह भी कहा मॉस्को में हाल ही में आयोजित सांस्कृतिक महोत्सव 'भारत उत्सव', में बड़ी संख्या में लोगों द्वारा भाग लिए जाने से रूसी नागरिकों के बीच भारतीय संस्कृति के प्रति बढ़ती रुचि का पता चलता है। रूस में रहने वाले भारतीय समुदाय को रूसी सरकार द्वारा दिए गए स्नेह की सराहना करते हुए, अध्यक्ष महोदय ने उनके कल्याण और सुख-सुविधा सुनिश्चित करने के लिए आभार व्यक्त किया।

श्री बिरला ने दोनों देशों के विधानमंडलों के बीच संबंधों को और मजबूत बनाने में अंतर-संसदीय आयोग के महत्व पर प्रकाश डाला। इस बात का उल्लेख करते हुए कि आयोग की पिछली बैठक 2018 में आयोजित की गई थी, उन्होंने सुझाव दिया कि दोनों पक्ष आपसी सहमति से सुविधाजनक समय पर इसकी अगली बैठक को आयोजित करने पर विचार कर सकते हैं। अध्यक्ष महोदय ने संवाद और सहयोग बढ़ाने में संसदीय मैत्री समूहों के महत्व को भी रेखांकित करते हुए कहा कि भारत की संसद में भारत-रूस संसदीय मैत्री समूह के गठन से संसदीय आदान-प्रदान और राजनयिक संवाद और मजबूत होगा।

यह विश्वास व्यक्त करते हुए कि भविष्य में भारत और रूस के संबंध और गहरे होंगे, उन्होंने कहा कि इस तरह के उच्च स्तरीय संवाद से संसदीय मैत्री और मजबूत होगी और व्यापक द्विपक्षीय साझेदारी भी बढ़ेगी।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए, रशियन फेडेरेशन की फेडरल एसेम्बली की फेडेरेशन काउंसिल के फर्स्ट डेप्युटी स्पीकर, महामहिम श्री व्लादिमिर याकुशेव ने गर्मजोशी से किए गए स्वागत और रूसी शिष्टमंडल से मिलने के लिए अपने व्यस्त कार्यक्रम से समय निकालने के लिए श्री बिरला को धन्यवाद दिया। श्री याकुशेव ने कहा कि भारत-रूस रणनीतिक साझेदारी रूस के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

यूपी पुलिस की बंपर वैकेंसी, इस साल 81000 पदों पर होगी भर्ती, सीएम योगी का बड़ा ऐलान

लखनऊः मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि उत्तर प्रदेश पुलिस बल का हिस्सा बनने की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए वित्तीय वर्ष 2026-27 बहुत महत्वपूर्ण होने जा रहा है. इस एक वर्ष में यूपी पुलिस में 81 हजार से अधिक पदों पर भर्ती की तैयारी है. मुख्यमंत्री ने कहा है कि यह व्यापक भर्ती अभियान युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान करने के साथ-साथ प्रदेश को एक सक्षम, ऊजार्वान और आधुनिक पुलिस बल उपलब्ध कराएगा.

सीएम योगी ने की पुलिस विभाग की समीक्षा बैठक

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गुरुवार देर रात पुलिस विभाग के विभिन्न इकाइयों की जारी गतिविधियों और भावी कार्ययोजना की व्यापक समीक्षा कर रहे थे. उन्होंने कहा कि कानून-व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए आधुनिक तकनीक, पारदर्शी कार्यप्रणाली और सक्षम मानव संसाधन पर समान रूप से ध्यान देना होगा. मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि हर स्तर पर जवाबदेही सुनिश्चित करते हुए परिणामोन्मुखी कार्यशैली अपनाई जाए, ताकि आमजन को सुरक्षा का मजबूत और भरोसेमंद वातावरण मिल सके.

यूपी पुलिस में 81000 पदों की बंपर वैकेंसी

बैठक में बताया गया कि उपनिरीक्षक, आरक्षी सिविल पुलिस, रेडियो सहायक परिचालक, कंप्यूटर ऑपरेटर ग्रेड-ए तथा पुलिस उपनिरीक्षक (गोपनीय) सहित विभिन्न श्रेणियों में 81 हजार से अधिक पदों पर भर्ती प्रस्तावित है. इनमें से कुछ की प्रक्रिया प्रारंभ भी हो गयी है. मुख्यमंत्री ने उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड को निर्देश दिए कि सभी सीधी भर्तियां पूर्ण पारदर्शिता, निष्पक्षता एवं निर्धारित आरक्षण प्रावधानों के अनुरूप समयबद्ध ढंग से संपन्न कराई जाएं. उन्होंने भर्ती प्रक्रिया को तकनीक आधारित बनाते हुए निर्धारित समयसीमा में पूरा करने पर जोर दिया, ताकि युवाओं का विश्वास और सुदृढ़ हो सके.

रिस्पांस टाइम को और कम करने का दिया निर्देश

पीआरवी-112 सेवा की समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने पीआरवी (पुलिस रिस्पांस व्हीकल) की रणनीतिक लोकेशन तय करने तथा इनके सतत मूवमेंट को सुनिश्चित करने के निर्देश दिए. उन्होंने कहा कि पीआरवी का संचालन इस प्रकार हो कि आमजन में सुरक्षा का विश्वास मजबूत हो और अपराधियों के लिए स्पष्ट संदेश जाए. वर्तमान में लगभग 6 मिनट के औसत रिस्पांस टाइम को और कम करने के लिए तकनीक, डेटा आधारित पेट्रोलिंग और फील्ड समन्वय को सुदृढ़ करने के निर्देश दिए गए. आवश्यकतानुसार अतिरिक्त चार पहिया एवं दो पहिया वाहनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा हॉटस्पॉट आधारित पेट्रोलिंग के अंतर्गत प्रत्येक 15 दिन में रूट चार्ट के पुनरीक्षण की व्यवस्था को और प्रभावी बनाने पर बल दिया गया.

लंबे समय से तैनात पुलिसवालों के ट्रांसफर के आदेश

मुख्यमंत्री ने राजधानी लखनऊ में राजभवन, मुख्यमंत्री आवास एवं पुलिस मुख्यालय सहित महत्वपूर्ण स्थलों पर लंबे समय से तैनात पुलिस कार्मिकों के स्थानांतरण के निर्देश देते हुए कार्यप्रणाली में पारदर्शिता और नई ऊर्जा बनाए रखने पर जोर दिया. अग्निशमन एवं आपात सेवा की समीक्षा में वर्ष 2025-26 के दौरान लगभग 42,000 अग्निकांडों पर नियंत्रण, 10,000 से अधिक आपात घटनाओं में त्वरित कार्रवाई तथा लगभग 800 करोड़ रुपये की संपत्ति बचाने की जानकारी दी गई.

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि प्रत्येक जनपद में कम से कम एक हाइड्रोलिक फायर टेंडर अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराया जाए. उन्होंने 'एक तहसील-एक फायर टेंडर' के लक्ष्य को प्राथमिकता के साथ समयबद्ध ढंग से पूर्ण करने के निर्देश दिए. साथ ही, गर्मी के मौसम में आग की संभावित घटनाओं की रोकथाम के लिए व्यापक जनजागरूकता अभियान संचालित करने और आवश्यक निवारक उपाय सुनिश्चित करने पर बल दिया.

साइबर क्राइम को लेकर भी हुई समीक्षा बैठक

साइबर क्राइम मुख्यालय की समीक्षा में बताया गया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में त्वरित तकनीकी हस्तक्षेप के माध्यम से ₹425.7 करोड़ की धनराशि सुरक्षित कराई गई. 'लियन' आधारित तंत्र की दक्षता लगभग 34.6 प्रतिशत तक पहुंच गई है. कुल 3,14,077 तकनीकी हस्तक्षेप (डिवाइस लॉक/ब्लॉकिंग) किए गए, जिनमें 1,14,220 आईएमईआई ब्लॉकिंग तथा 1,99,857 अन्य मोबाइल/डिवाइस संबंधी कार्यवाहियां शामिल हैं. वर्ष में कुल 3,91,340 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 2,40,015 शिकायतें इसी वर्ष दर्ज की गईं तथा 7,287 मामलों में विधिक कार्रवाई सुनिश्चित की गई.

हर रोज 7,467 कॉल आते हैं

बैठक में अवगत कराया गया कि साइबर हेल्पलाइन 1930 की कॉल हैंडलिंग क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है, जहां औसतन 1,709 कॉल प्रतिदिन से बढ़कर लगभग 7,467 कॉल प्रतिदिन तक पहुंच गई है. कुल कॉल्स में लगभग 59 प्रतिशत मामलों का प्रभावी निस्तारण किया गया है. प्रशिक्षण के अंतर्गत 65,608 पुलिस कार्मिकों को प्रशिक्षित किया गया तथा 84,705 प्रमाणपत्र जारी किए गए हैं.

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने निर्देश दिए कि साइबर अपराधों के विरुद्ध कार्रवाई को और अधिक तकनीक आधारित, त्वरित और प्रभावी बनाया जाए. उन्होंने आमजन की मेहनत की कमाई की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए प्रदेशभर में व्यापक साइबर जागरूकता अभियान चलाने, सुरक्षित डिजिटल व्यवहार को प्रोत्साहित करने तथा 1930 हेल्पलाइन को और अधिक सशक्त बनाकर शिकायतों के त्वरित निस्तारण की प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए.

डेटॉल ने लॉन्च किया नया कैंपेन मां की सुरक्षा की भावना को किया सेलिब्रेट

लखनऊ। डेटॉल भारत का प्रमुख जर्म प्रोटेक्शन ब्रांड, अपने आइकॉनिक डेटॉल एंटीसेप्टिक लिक्विड के लिए एक नया भावनात्मक कैंपेन लेकर आया है। यह कैंपेन भावनाओं पर आधारित कहानी के जरिए परिवारों के साथ ब्रांड के जुड़ाव को मजबूत करता है और इसकी बेजोड़ सुरक्षा को उजागर करता है। मां की सहज देखभाल की भावना पर आधारित यह कैंपेन एक सरल संदेश देता है मां और डेटॉल जैसी सुरक्षा कोई नहीं देता।

लॉन्च पर टिप्पणी करते हुए रेकिट साउथ एशिया के ईवीपी रीजनल डायरेक्टर गौरव जैन ने कहा रेकिट में हम मानते हैं कि हमारी जिम्मेदारी केवल उत्पाद उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं है हम एक ऐसी दुनिया बनाने के लिए यहां हैं जहां लोग सुरक्षित महसूस करें, संरक्षित रहें और एक-दूसरे की देखभाल करने के लिए सक्षम बनें। डेटॉल इस मिशन के केंद्र में है। इसकी विरासत कई पीढ़ियों तक फैली हुई है और यह भारत के घरों में एक शांत लेकिन भरोसेमंद साथी बन चुका है। यह एक ऐसा ब्रांड है जो सिर्फ जरूरत के समय ही नहीं, बल्कि भावनात्मक पलों में भी साथ होता है जब मां का सहज भाव जाग उठता है, जब बच्चे के आंसू बहादुरी के पीछे छिपे होते हैं, जब सुरक्षा सिर्फ शारीरिक ही नहीं बल्कि गहराई से व्यक्तिगत भी होती है। यह कैंपेन उसी नाजुक और मानवीय सच्चाई को दशार्ता हैः एक मां बिना कहे ही दर्द को महसूस कर लेती है, और डेटॉल उसे देखभाल और आत्मविश्वास के साथ प्रतिक्रिया देने की ताकत देता है। मां का सहज भाव और डेटॉल की सुरक्षा मिलकर एक ऐसा रिश्ता बनाते हैं, जिस पर पीढ़ियों से भरोसा किया गया है और आने वाले वर्षों में भी किया जाता रहेगा।

ओमनीकॉम इंडिया के चेयरमैन प्रसून जोशी ने कहा मुझे इस सरल और कहानी आधारित ब्रांड कम्युनिकेशन को लिखने में बहुत आनंद आया। डेटॉल हमेशा से देखभाल और सुरक्षा का प्रतीक रहा है। क्योंकि जब भी किसी बच्चे को चोट लगती है, चाहे वह छोटी हो या बड़ी, उसका पहला स्वाभाविक कदम अपनी मां के पास जाना होता है जो उसका सबसे सुरक्षित स्थान होता है। और उसी पल में मां डेटॉल की ओर रुख करती है, जिस पर वह सबसे कीमती चीज की सुरक्षा के लिए भरोसा करती है। यही वह रिश्ता है जिसे हम जीवंत करना चाहते थे खामोश देखभाल, सहज प्रेम और अटूट विश्वास का रिश्ता, जिसे हम कभी सच में पीछे नहीं छोड़ते। यह संभव नहीं हो पाता अगर रेकिट और क्रोम की समर्पित टीम, अमित शर्मा के संवेदनशील निर्देशन, और विशाल खुराना के व जावेद अली द्वारा जीवंत किए गए संगीत और प्रस्तुतियों का सहयोग न मिलता।

कई पीढ़ियों से डेटॉल सिर्फ एक प्रोडक्ट नहीं, बल्कि मुश्किल समय में भरोसेमंद साथी रहा है। नई फिल्म इसी भावना को एक शादी के घर की चहल-पहल भरे माहौल में एक कोमल पल के जरिए दिखाती है। जश्न के बीच एक छोटा लड़का खुद को चोट लगने के बाद भी उसे सबसे छिपा लेता है और बहादुरी दिखाने की कोशिश करता है। लेकिन जैसे ही वह अपनी मां के पास पहुंचता है, मां तुरंत महसूस कर लेती है कि कुछ ठीक नहीं है। जब वह डेटॉल एंटीसेप्टिक लिक्विड से उसकी चोट साफ करती है, तो लड़का अपनी झिझक छोड़ देता है और उसका दर्द सामने आ जाता है। इसके बाद एक भावुक पल आता है, जहां भूमिकाएं बदल जाती हैं और वही बच्चा अपनी मां को सांत्वना देता है।

फिल्म का अंत इस संदेश के साथ होता है अपनों की सुरक्षा का मजबूत सहारा। यह दिखाता है कि डेटॉल आज भी भारतीय घरों में मांओं के साथ खड़ा है, जहां प्यार स्वाभाविक है और सुरक्षा भरोसेमंद। इस फिल्म को प्रसून जोशी के कॉन्सेप्ट और लेखन ने जीवंत बनाया है। इसका मूल संगीत विशाल खुराना के ने तैयार किया है, जिसे जावेद अली ने गाया है।

केरल चुनावः पीएम मोदी ने की भाजपा कार्यकर्ता की तारीफ, कहा- बहस में प्रियंका गांधी को भी दे सकती हैं मात

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वायनाड में भाजपा कार्यकर्ता विनिता के.के. की तारीफ की और कहा कि वह सार्वजनिक बहस में प्रियंका गांधी वाड्रा से बेहतर प्रदर्शन कर सकती हैं। उन्होंने केरल चुनाव से पहले कार्यकताओं से घर-घर संपर्क बढ़ाने और पार्टी के शासन रिकॉर्ड साझा करने का आग्रह किया।

उन्होंने 'मेरा बूथ सबसे मजबूत' कार्यक्रम के तहत नमो ऐप के जरिये केरल के बूथ स्तर के भाजपा कार्यकताओं से बातचीत की। उन्होंने पार्टी कार्यकताओं को जमीनी स्तर पर पार्टी की पहुंच मजबूत करने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान उन्होंने कई कार्यकताओं से बातचीत की, जिसमें वायनाड जिले के मंथनवाड़ी से बूथ अध्यक्ष विनिता केके भी शामिल थीं।

उन्होंने सुझाव दिया कि स्थानीय मीडिया उनकी और वायनाड की मौजूदा सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा के बीच सार्वजनिक बहस कराए। उन्होंने कहा, मुझे पूरा भरोसा है कि आप मौजूदा कांग्रेस सांसद से बेहतर भाषण देंगी। मोदी ने जमीनी स्तर के कार्यकताओं में आत्मविश्वास और तैयारी के महत्व पर जोर दिया।

प्रधानमंत्री ने बूथ स्तर के पार्टी कार्यकताओं से कहा कि वे घर-घर जाकर चुनावी अभियान तेज करें और मतदाताओं को आगामी राज्य चुनावों में भाजपा और एनडीए को मौका देने के लिए प्रेरित करें।

उन्होंने कहा, आप (केरल के लोग) ने कांग्रेस और वामपंथियों को 75 साल दिए। भाजपा और एनडीए को पांच साल दें। उन्होंने कार्यकताओं से कहा कि वे पार्टी के शासन के रिकॉर्ड को उन राज्यों में साझा करें, जहां भाजपा पहले सत्ता में रही है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कार्यकताओं को निर्देश दिया कि मतदान से पहले प्रत्येक मतदाता से कम से कम तीन बार संपर्क करें, ताकि लगातार जुड़ाव से विश्वास और समर्थन बढ़े। केरल की राजनीतिक स्थिति पर चर्चा करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि न केवल सत्तारूढ़ वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) बल्कि विपक्षी संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) भी भ्रष्टाचार और सांप्रदायिक राजनीति को बढ़ावा दे रहे हैं।

उन्होंने कहा, एलडीएफ और यूडीएफ सिर्फ भ्रष्टाचार और सांप्रदायिकता फैला रहे हैं, बल्कि केरल को दोहरी चोट भी पहुंचा रहे हैं। प्रधानमंत्री ने भारतीय क्रिकेटर संजू सैमसन को भाजपा कार्यकताओं के लिए प्रेरणा बताया। उन्होंने कहा कि जैसे क्रिकेटर संजू सैमसन ने विश्व कप के नॉकआउट चरण में अपने खेल की ताकत से प्रदर्शन की चरम सीमा को छुआ, उसी तरह चुनाव के नजदीक भाजपा कार्यकताओं का ध्यान, आत्मविश्वास और सक्रियता बढ़नी चाहिए।

इतिहास के सबसे पहले महानायकः 'राम' के रूप में सामने आए रणबीर कपूर, 'रामायणम्' ने इंटरनेट पर मचाई हलचल

जब दुनिया में कोई नायक नहीं था, तब 'राम' थेः रणबीर कपूर स्टारर 'रामायणम्' का भव्य आगाज, पहली झलक ने जीता फैंस का दिल!

मुम्बई, नमित मल्होत्रा, जो कि दुनिया के सबसे महत्वाकांक्षी सिनेमाई प्रोजेक्ट्स में से एक रामायणम् के प्रोड्यूसर, फिल्म मेकर और क्रिएटिव आर्किटेक्ट हैं, उन्होंने एक खास टीजर के जरिए 'राम' को पेश किया है। कहानी कहने की दुनिया के सबसे अमर किरदारों में से एक, जिसके जरिए दुनिया भर के दर्शकों को राम के रूप में रणबीर कपूर की पहली झलक देखने को मिली है।एक ग्लोबल मोमेंटः पूरी दुनिया में एक जैसे उत्साह के साथ रिलीज किया गया यह 'राम'

टीजर दुनिया भर के दर्शकों के लिए एक बड़ा पल है। यह एक ऐसे किरदार को सामने लाता है जिसकी कहानी 5,000 से भी ज्यादा सालों से चली आ रही है। जो लोग इस कहानी को सुनते हुए बड़े हुए हैं, उनके लिए यह एक नया नजरिया है, और दूसरों के लिए इतने बड़े लेवल पर पहली बार इस कहानी से जुड़ने का एक शानदार मौका है।

एक ऐसा हीरो जो अपने फैसलों से पहचाना जाता हैः 'राम' एक ऐसे हीरो हैं जिन्हें दुनिया आज के दौर में कम ही देख पाती है। एक ऐसा नायक जो अपनी पसंद से ऊपर अपने फर्ज को रखता है। जो सही काम करने के लिए सत्ता तक को छोड़ने की हिम्मत रखता है। जो वो सब करता है जो जरूरी है, भले ही इसके लिए उसे अपनी हर चीज दांव पर लगानी पड़े। 'मयार्दा पुरुषोत्तम' यानी 'इंसानी बर्ताव का सबसे ऊंचा पैमाना' माने जाने वाले राम इज्जत, दया और सही-गलत की समझ का जीता-जागता उदाहरण हैं, फिर चाहे उनके सामने वनवास हो, अपनों को खोने का दुख या अन्याय ही क्यों न हो। यही बातें उन्हें रामायणम् में हमेशा के लिए यादगार बनाती हैं।नितेश तिवारी, रामायणम् (2 पार्ट फिल्म फ्रेंचाइजी) के डायरेक्टरः "रामायणम् की महानता इसकी भावनाओं की गहराई में है।

परिवार ही सब कुछ है कलर्स के लाफ्टर शेफ्स अनलिमिटेड एंटरटेनमेंट में

कलर्स का शो 'लाफ्टर शेफ्स अनलिमिटेड एंटरटेनमेंट' हर वीकेंड दर्शकों को हंसी, खाने और दिल छू लेने वाले पलों का मजा देता है और अब यह भारतीय परिवारों के लिए सबसे पसंदीदा डिनरटेनमेंट बन चुका है। अब शो एक प्यारे ट्विस्ट के साथ परिवार की अहमियत को सेलिब्रेट करने जा रहा है। आने वाले एपिसोड में होगा खास फैमिली वीक, जहां किचन बदल जाएगा एक रंगीन मिलन स्थल में। इस बार देश के अलग-अलग हिस्सों से आए पाँच संयुक्त परिवार सेट पर मौजूद होंगे और माहौल बनेगा साथ रहने की यादों, अपनापन और मजेदार प्रतियोगिता का।

इस खास थीम के लिए लाफ्टर शेफ्स की टीम बंट जाएगी दो मजेदार क्लैन्स में, जिससे किचन के अंदर शुरू होगी एक दोस्ताना लेकिन तगड़ी टक्कर। एक तरफ होगी कृष्णा की शर्मा फैमिली, जिसमें शामिल हैंः कृष्णा अभिषेक, कश्मीरा शाह, जन्नत जुबैर, एली गोनी, समर्थ जुरेल, अभिषेक कुमार, अंकिता लोखंडे और विक्की जैन। दूसरी तरफ खड़ी होगी सुदेश की लहरी फैमिली, जिसमें होंगेः

सुदेश लेहरी, निया शर्मा, अर्जुन बिजलानी, करण कुंद्रा, तेजस्वी प्रकाश और एल्विश यादव।

संयुक्त परिवारों की मौजूदगी में शुरू होगा एक ब्रेकफास्ट कुकिंग बैटल। दोनों फैमिलीज को बनाना होगा एक कम्फर्टिंग ब्रेकफास्ट स्प्रेड जिसमें होंगे साबूदाना खिचड़ी, अदरक-तुलसी चाय और दही-टमाटर चटनी। जीतने वाली टीम के हर सदस्य को मिलेगा एक स्टार, जिससे बढ़ेगी दोनों फैमिलीज के बीच की दोस्ताना टक्कर।

एपिसोड में संयुक्त परिवारों की ज़िंदगी पर खुलकर बातें भी होती हैं। अंकिता लोखंडे ने बताया कि अगर मौका मिले तो वो खुशी-खुशी संयुक्त परिवार में रहना चाहेंगी। उनकी इस बात पर विकी जैन ने मजाकिया अंदाज में जवाब दिया और साफ कहा कि उन्हें यह आइडिया उतना पसंद नहीं है।

इस बीच, भारती सिंह मजेदार अंदाज में बताती हैं कि बड़े संयुक्त परिवार से घिरे रहने का अनुभव कैसा होता है, जिससे सेट पर ठहाकों की गूँज उठती है। त्योहारी माहौल को पूरी तरह दशार्ते हुए, कृष्णा अभिषेक मंच से उतरकर आए और मेहमान परिवारों के साथ थिरकने लगे।

दिल छू लेने वाला पल तब आता है जब दर्शकों में से एक नन्हा प्रशंसक तेजस्वी प्रकाश का लोकप्रिय 'मोदक' गीत प्रस्तुत करता है और उनके अंदाज को प्यारे ढंग से दोहराता है। बच्चा यह भी साझा करता है कि वह तेजस्वी की कितनी प्रशंसा करता है, जिससे सेट पर मौजूद सभी लोग इस मीठे श्रद्धांजलि पर मुस्कुरा उठते हैं।

जैसे ही नाश्ते के व्यंजन परोसे जाते हैं, असली फैसला उन लोगों से आता है जो पारिवारिक भोजन को सबसे अच्छी तरह जानते हैं। हर मेहमान परिवार से एक सदस्य शेफ हरपाल सिंह सोखी और भारती सिंह के साथ मंच पर जुड़ता है, व्यंजनों का स्वाद चखता है और तय करता है कि किस परिवार ने सच्चे घरेलू रसोई की तरह पकाया। जानिए आने वाले एपिसोड में कौन-सा परिवार मेहमानों को सबसे ज्यादा प्रभावित करता है!

देखिए निविया सॉफ्ट और रियलमी स्मार्टफोन द्वारा सह-प्रस्तुत 'लाफ्टर शेफ्स अनलिमिटेड एंटरटेनमेंट', जिसे एन्वी परफ्यूम्स, कैच मसाला, किसान चटनी, विनोद इंटेलिजेंट कुकवेयर और पोर होम ने को-पावर्ड किया है। विशेष साझेदारों में शामिल हैं इंडिया गेट बासमती चावल, किसना ज्वेल्स और सीखो

अनपरा-शक्तिनगर क्षेत्र में सवर्ण आर्मी का तेजी से विस्तार, संगठन कर रहा सर्वांगीण विकास का दावा

(जीएनएस)।

सोनभद्र/ उत्तर प्रदेश। जिले के सुदूरवर्ती क्षेत्र अनपरा, बीना, शक्तिनगर एवं म्योरपुर में सवर्ण आर्मी का संगठनात्मक विस्तार तेजी से देखने को मिल रहा है। संगठन के संस्थापक सर्वेश पांडे के नेतृत्व में शुरू हुआ यह अभियान अब ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों तक पहुंचकर अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा रहा है। जिला अध्यक्ष अशोक दुबे के कुशल मार्गदर्शन में संगठन को नई दिशा मिल रही है। वहीं जिला उपाध्यक्ष विंध्यवासिनी सिंह, सुदिष्ट मिश्रा तथा नगर अध्यक्ष अनपरा नवीन पांडे के सामूहिक प्रयासों से संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूती मिल रही है। संगठन के कार्यकर्ता लगातार क्षेत्र में सक्रिय रहते हुए लोगों के बीच संवाद स्थापित कर रहे हैं। विशेष रूप से नगर सचिव बीना से अमित कुमार दुबे एवं शक्तिनगर से पंकज चौबे व दीपक श्रीवास्तव द्वारा घर-घर जाकर संगठन का प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। वे लोगों को संगठन की नीतियों, उद्देश्यों और कार्यप्रणाली के बारे में जानकारी दे रहे हैं, जिससे क्षेत्र में संगठन के प्रति लोगों की रुचि बढ़ती जा रही है।

संगठन के पदाधिकारियों के अनुसार, सवर्ण आर्मी की स्थापना वर्ष 2018 में सर्वेश पांडे द्वारा की गई थी। इसका उद्देश्य सवर्ण समाज के हितों की रक्षा और उनके अधिकारों के लिए आवाज उठाना है। संगठन ने अपने कुछ प्रमुख उद्देश्यों को स्पष्ट रूप से रखा है, जिनमें अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति अधिनियम को समाप्त करने की मांग, सवर्ण आयोग का गठन, जाति आधारित आरक्षण के स्थान पर आर्थिक आधार पर आरक्षण व्यवस्था लागू करना तथा यूजीसी विनियम अधिनियम 2026 को वापस लेने की मांग शामिल है। संगठन का दावा है कि वर्तमान समय में सवर्ण आर्मी उत्तर एवं पूर्वी भारत के कई राज्यों में सक्रिय रूप से कार्य कर रही है और लगातार अपने नेटवर्क को विस्तार दे रही है। क्षेत्र में बढ़ती सक्रियता को देखते हुए यह संगठन आने वाले समय में सामाजिक एवं राजनीतिक स्तर पर भी प्रभाव डाल सकता है। स्थानीय स्तर पर संगठन की गतिविधियों को लेकर लोगों में चर्चा का माहौल है, वहीं संगठन अपने उद्देश्यों को लेकर जनसमर्थन जुटाने में जुटा हुआ है।

लोधीपुर गांव में प्रधान फरजंद खान के प्रयासों से स्कूल हुआ चमकदार

पूर्वी भीत

पीलीभीत(लोधीपुर),तहसील पूरनपुर के ग्राम लोधीपुर में प्रधान फरजंद खान के सक्रिय प्रयासों से गांव का प्राथमिक स्कूल नई ऊंचाइयों को छू रहा है। ग्रामीणों की मानें तो इस समय प्रधान का कार्यक्षेत्र सराहनीय है, जो शिक्षा के क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव ला रहे हैं।

गांव वालों का कहना है कि फरजंद खान ने स्कूल की मरम्मत, साफ-सफाई और बेहतर सुविधाओं पर विशेष ध्यान दिया है। पहले जर्जर हालत में रहा स्कूल अब चमकदार भवन, स्वच्छ शौचालय और खेलकूद सामग्री से लैस हो गया है। इससे बच्चों की उपस्थिति में इजाफा हुआ है और अभिभावक भी उत्साहित हैं।

स्थानीय निवासी तौकीर खान ने बताया, "प्रधान फरजंद खान का यह प्रयास गांव के भविष्य को मजबूत कर रहा है। वे समय पर काम कर रहे हैं, जो प्रशंसनीय है।" ग्रामीणों ने उम्मीद जताई कि ऐसे प्रयास जारी रहें तो लोधीपुर शिक्षा का केंद्र बनेगा।

प्रधान फरजंद खान ने कहा, "गांव का विकास मेरी प्राथमिकता है। स्कूल को और बेहतर बनाने के लिए आगे भी प्रयास जारी रहेंगे

हनुमान जी शिव के अवतार और श्रीराम के परम भक्त हैं: महंत विशाल गौड़

श्री कोतवालेश्वर महादेव मंदिर में धूमधाम से मनाया हनुमान जन्मोत्सव

लखनऊ। गुरुवार को हनुमान जयंती (हनुमान जन्मोत्सव) श्री कोतवालेश्वर महादेव मंदिर में धूमधाम से मनाया गया। मंदिर के महंत विशाल गौड़ ने बताया कि सुबह चार बजे स्नान के बाद हनुमानजी का तिल के तेल से सिंदूर लेपन हुआ, चांदी का वर्क एवं इत्र लगाकर फूलों से भव्य श्रृंगार किया गया और विशेष आरती हुई। हनुमानजी को लड्डू- बूंदी और फलों का भोग लगाया गया। पूरे मंदिर को दो कुंटल फूलों से सजाया गया। सुबह 6 बजे से रात 12 बजे तक भक्तो का तांता लगा रहा। महंत विशाल गौड़ ने बताया कि इस दिन विशेष पूजा, हनुमान चालीसा का पाठ और मंदिरों में चोला चढ़ाने की परंपरा है। महंत ने बताया कि जो लोग हनुमान चालीसा, मंत्र जाप और पूजा विधि के अनुसार भगवान हनुमान की आराधना सही समय और विधि से पूजा करते हैं तो बजरंगबली प्रसन्न होते हैं और भक्तों के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और सफलता आती है।

धूमधाम से मनाया गया हनुमान जन्मोत्सव

5 किमी निकली पैदल यात्रा, हजारों की संख्या में रहे श्रद्धालु

बिजुआ। इलाके के पड़रिया तुला कस्बे में हनुमान जन्मोत्सव बड़ी धूम धाम के साथ मनाया गया। जन्मोत्सव में ध्वज यात्रा के साथ सुंदर कांड का पाठ का आयोजन भी हुआ।इस दौरान सुरक्षा के लिए कई थानों के फोर्स तैनाथ रहा।

2 अप्रैल को हनुमान जन्मोत्सव पर आज सुबह पांच बजे से ही पड़रिया तुला के निर्माणधीन बालाजी मंदिर से भक्तों का दरबार में आना शुरू हो गया। कस्बे के हनुमान मंदिर से सुबह सात बजे कीर्तनमयी पदयात्रा की शुरूआत हुई।ये यात्रा पड़रिया कस्बे से चलकर चौसन्ध बाबा स्थान तक गयी। जिसमे महिलाओं पुरुषों समेत हजारों की सँख्या में श्रद्धालु मौजूद थे। यात्रा के दौरान भक्तों ने जगह-जगह पर प्रसाद वितरण व भंडारे के भी आयोजन किए ।पदयात्रा में सभी भक्त भारत माता की जय वंदेमातरम जयश्री राम के नारे लगाते नाचते गाते रहे।

पदयात्रा भगवा ध्वजों के साथ साथ तिरंगा झंडा भी बराबर लहराता रहा।कार्यक्रम में मुख्य रूप से गोला विधायक के चाचा मोंटी गिरि, मंडल अध्यक्ष धीरेंद्र सिंन्ह, उपेन्द्र सिंन्ह, समेत भीरा, मैलानी, हैदराबाद, गोला, मझगयीं, थानों की पुलिस बल तैनाथ रहा।

सोलर इंस्टॉलेशन में उत्तर प्रदेश की बड़ी छलांग, 2025-26 में रिकॉर्ड 3.47 लाख संयंत्र स्थापित

मार्च में सर्वाधिक 52,729 इंस्टॉलेशन, कुल क्षमता 1161 मेगावाट के पार

अप्रैल से मार्च तक इंस्टालेशन में हुई लगातार बढ़ोतरी, अंतिम तिमाही में जबरदस्त उछाल

ग्रीन एनर्जी की ओर तेजी से बढ़ता प्रदेश, कुल क्षमता 1524 मेगावाट से अधिक

(जीएनएस)।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में सोलर ऊर्जा के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करते हुए रिकॉर्ड 3,47,729 रूफटॉप सोलर संयंत्र स्थापित किए हैं। इस दौरान राज्य की कुल स्थापित क्षमता 1161.756 मेगावाट तक पहुंच गई, जो प्रदेश की ग्रीन एनर्जी की दिशा में तेजी को दशार्ता है। माहवार आंकड़ों पर नजर डालें तो वर्ष की शुरूआत अप्रैल 2025 में 15,836 इंस्टॉलेशन से हुए थे, जो मई और जून में बढ़कर क्रमशः 18,509 और 18,494 तक पहुंच गए। जुलाई से इस रफ्तार में बड़ी उछाल देखने को मिली, जहां 29,850 संयंत्र स्थापित हुए और क्षमता 100 मेगावाट के पार पहुंच गई। अगस्त और सितंबर में भी यह गति बरकरार रही, जबकि अक्टूबर में थोड़ी गिरावट के बाद नवंबर और दिसंबर में फिर से तेजी आई। नवंबर में 30,894 और दिसंबर में 31,164 इंस्टॉलेशन दर्ज किए गए। वास्तविक तेजी वर्ष के अंतिम तीन महीनों में देखने को मिली जनवरी 2026 में 33,314, फरवरी में 35,804 और मार्च में रिकॉर्ड 52,729 संयंत्र स्थापित किए गए, जो पूरे वर्ष का सर्वाधिक आंकड़ा रहा। केवल मार्च माह में ही 173.84 मेगावाट क्षमता जोड़ी गई, जो किसी एक माह में अब तक की सबसे बड़ी वृद्धि है।

यूपीनेडा के डायरेक्टर इंद्रजीत सिंह ने बताया कि अंतिम तिमाही में आई यह तेजी सरकार की प्रभावी नीतियों, सब्सिडी योजनाओं और जमीनी स्तर पर मजबूत क्रियान्वयन का परिणाम है। इससे न केवल ऊर्जा उत्पादन बढ़ा है, बल्कि उपभोक्ताओं को सस्ती और स्वच्छ बिजली भी उपलब्ध हो रही है। इस उपलब्धि के साथ उत्तर प्रदेश देश में सोलर ऊर्जा के क्षेत्र में अग्रणी राज्यों में तेजी से उभर रहा है। उत्तर प्रदेश पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना में नंबर वन राज्य बन गया है। कुल मिलकर उत्तर प्रदेश में कुल 4,48,233 सोलर रूफटॉप इंस्टॉल किए जा चुके हैं, जिससे रोजाना 1524 मेगावाट बिजली पैदा हो रही है। लगातार बढ़ती इंस्टॉलेशन दर यह संकेत देती है कि आने वाले समय में प्रदेश ग्रीन एनर्जी और ऊर्जा आत्मनिर्भरता के लक्ष्य को और तेजी से हासिल करेगा।

गेंहू की फसल में लगी आग, चार बीघा जलकर राख

(जीएनएस)।

खखरेरू। थाना क्षेत्र के तेंदुआ गांव में महुआ की पत्तियां जलाने के दौरान भड़की आग ने विकराल रूप धारण कर लिया, जिससे पास में खड़ी लगभग चार बीघा गेहूं की फसल जलकर राख हो गई।जानकारी के अनुसार, गांव के एक ग्रामीण ने सुबह महुआ के पेड़ के नीचे गिरी पत्तियों को इकट्ठा कर उनमें आग लगा दी थी। दोपहर करीब 12:30 बजे तेज हवा के कारण आग फैलकर नजदीक खड़ी गेहूं की फसल तक पहुंच गई और देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया। घटना की सूचना मिलते ही सैकड़ों ग्रामीण मौके पर पहुंच गए और काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते आग नहीं बुझाई जाती तो सैकड़ों बीघा फसल जलकर नष्ट हो सकती थी। आगजनी में संतोष मौर्य, बदन मौर्य, भैयइन मौर्य और नाती मौर्य की लगभग चार बीघा गेहूं की फसल पूरी तरह जल गई। आग लगने के बाद ग्रामीणों ने पानी के लिए पावर हाउस उकाथू से संपर्क किया, लेकिन लाइन खराब होने का हवाला देकर विद्युत आपूर्ति नहीं दी गई। समाचार लिखे जाने तक सूचना के बावजूद लेखपाल मौके पर नहीं पहुंचा था।

यूपी के गाँव की लड़कियों ने जीती स्टेट फुटबॉल चैंपियनशिप, नेशनल्स के लिए भी हुई क्वालिफाई

लखनऊ, २ अप्रैल, 2026: विद्याग्यान स्कूल, सीतापुर की छात्राओं की फुटबॉल टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए उत्तर प्रदेश स्टेट फुटबॉल चैंपियनशिप 2025-26 का खिताब अपने नाम कर लिया है। इस जीत के साथ ही टीम ने आगामी राष्ट्रीय टूनार्मेंट के लिए भी क्वालिफाई कर लिया है।

यह प्रतियोगिता उत्तर प्रदेश स्टेट फुटबॉल एसोसिएशन द्वारा उत्तर प्रदेश स्पोर्ट्स डायरेक्टोरेट के सहयोग से लखनऊ के गुरु गोविंद सिंह स्पोर्ट्स कॉलेज में आयोजित की गई, जिसमें प्रदेश भर की मजबूत टीमों ने हिस्सा लिया।

इस जीत की सबसे खास बात खिलाड़ियों का संघर्ष भरा सफर है। टीम की छात्राएं बलिया, वाराणसी, गाजीपुर और कौशांबी जैसे जिलों के ग्रामीण इलाकों से आती हैं। इनमें से अधिकांश किसान परिवारों से हैं, जिनकी सालाना आय रुपए 3 लाख से भी कम है। सीमित संसाधनों के बावजूद इन बेटियों ने मेहनत और लगन से यह मुकाम हासिल किया है।

पूरे टूनार्मेंट के दौरान टीम ने बेहतरीन तालमेल, अनुशासन और जज्बे का प्रदर्शन किया। हर मैच में निरंतर अच्छा खेल दिखाते हुए टीम ने खिताब पर कब्जा जमाया।

अब यह टीम राष्ट्रीय स्तर पर उत्तर प्रदेश का प्रतिनिधित्व करेगी, जहां उनसे एक बार फिर शानदार प्रदर्शन की उम्मीद है। विद्याग्यान लीडरशिप एकेडमी लगातार वंचित वर्ग के मेधावी छात्रों को आगे बढ़ने का मंच प्रदान कर रहा है, ताकि वे पढ़ाई के साथ-साथ खेल के क्षेत्र में भी अपनी पहचान बना सकें।

केएम विश्वविद्यालय में हुआ विश्व ऑटिज्म दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम : बाल रोग विभाग की ओपीडी में 3 से 10 अप्रैल तक लगेगा निःशुल्क कैंप

-पोस्टर प्रदर्शनी के विजेताओं को कुलपति ने किया सम्मानित

-ऑटिज्म कोई बीमारी नहीं है, जिसे ठीक किया जाए : कुलपति

(जीएनएस)। विश्व ऑटिज्म जागरूकता दिवस प्रत्येक वर्ष 2 अप्रैल को मनाया जाता है। केएम विश्वविद्यालय के मेडीकल कालेज एंड हॉस्पिटल के बाल रोग विभाग के रेजींडेस चिकित्सकों ने ऑटिज्म जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति, मेडीकल कालेज के प्राचार्य, अस्पताल के मेडीकल सुप्रीडेंट, चिकित्सक, मेडीकल छात्रों और ऑटिज्म से पीड़ित परिवारों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा ऑटिज्म को लेकर जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया गया। इस अवसर पर पोस्टर प्रदर्शनी के विजेताओं में एमबीबीएस के विराट, देवश्री, वंश, उत्कर्षा, युगान्ध्र और सानिकाका को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया एवं विश्व ऑटिज्म जागरूकता पर आधारित वीडियो का प्रदर्शन किया गया। ऑटिज्म को लेकर बाल रोग विभाग की ओपीडी में 3 अप्रैल से 10 अप्रैल तक कैम्प का आयोजन किया जाएगा, जिसमें इससे ग्रस्त मरीज निःशुल्क परामर्श का लाभ उठा सकेंगे। जागरूकता कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती मां और श्रीराम दरबार के समक्ष दीप प्रज्जवलित करके विवि के कुलपति डा. एनसी प्रजापति, मेडीकल प्राचार्य डा. पीएन भिसे, मेडीसिन के विभागध्यक्ष डा. आरपी गुप्ता, बाल रोग विभागाध्यक्ष डा. मनोज कुमार, एसोसिएट प्रोफेसर डा. सौरभ ताल्यान और असिटेंट प्रोफेसर डा. पूर्वी सक्सैना ने संयुक्त रूप से किया। कार्यक्रम का संचालन बाल रोग विभाग की जूनियर रेजींडेस डा. रीर्तिका राय किया। स्वागत भाषण में केएम विश्वविद्यालय के कुलपति डा. एनसी प्रजापति ने कहा कि यह दिन

केवल एक औपचारिक कार्यक्रम नहीं है, बल्कि यह हमें याद दिलाता है कि हमारे समाज में ऐसे लोग भी हैं जो दुनिया को अलग नजरिए से देखते और समझते हैं। उन्हें सहानुभूति से अधिक, समझ, स्वीकार्यता और सम्मान की आवश्यकता है। ऑटिज्म, जिसे ऑटिज्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर (एएसडी) भी कहा जाता है, कोई बीमारी नहीं है, जिसे ठीक किया जाए। यह दिमाग के काम करने का एक अलग तरीका है। ऑटिज्म से जुड़े लोग दुनियां को, लोगों को और चीजों को अलग नजरिए से महसूस करते हैं। बताया कि बच्चों के व्यवहार में बदलाव को नजरअंदाज न करें तथा समय पर विशेषज्ञ से परामर्श लें। वहीं मेडीकल प्राचार्य डा. पीएन भिसे ने कहा कि विश्व ऑटिज्म के प्रति हम जागरूकता फैलाने, प्रारंभिक हस्तक्षेप प्रदान करने और यह सुनिश्चित करने के लिए समर्पित हैं कि ऑटिज्म से पीड़ित व्यक्तियों को वह देखभाल मिले जिसके वह हकदार हैं। इस मौके पर अध्यक्षता भाषण को संबोधित करते हुए बाल रोग विभागाध्यक्ष डा. मनोज कुमार ने कहा कि ऑटिज्म डिसऑर्डर स्पेक्ट्रम बच्चों में होने वाला एक न्यूरो-डेवलपमेंटल डिसऑर्डर है, जिसमें उनके व्यवहार, संवाद क्षमता और सामाजिक विकास पर असर पड़ता है। ऑटिज्म के कुछ सामान्य संकेत बचपन में ही दिखने लगते हैं। जैसे बच्चे का आंखों में कम देखना, बोलने में देरी होना, बार-बार एक ही हरकत करना या दिनचर्या में थोड़ा बदलाव होने पर परेशान हो जाना। कुछ बच्चों को तेज आवाज, रोशनी या कुछ खास चीजों से ज्यादा परेशानी भी हो सकती है लेकिन हर ऑटिज्म से प्रभावित व्यक्ति अलग होता है। बताया कि किसी में लक्षण ज्यादा होते हैं, तो किसी में कम। इसीक्रम में एसोसिएट प्रोफेसर डा. सौरभ ताल्यान ने कहा कि समाज में फैली गलतफहमियों को दूर करना सबसे जरूरी है और दूसरी चीज स्वीकार्यता है। हमें ऑटिज्म वाले लोगों को बदलने की कोशिश करने के बजाए उन्हें वैसे ही स्वीकार करना चाहिए जैसे वो हैं। अगर कोई बच्चा थोड़ा अलग व्यवहार करता है, तो उसे जज करने के बजाए समझने की कोशिश करनी चाहिए। तीसरी और सबसे अहम चीज है सम्मान, हर इंसान की तरह ऑटिज्म से जुड़े लोगों को भी बराबरी का हक है, चाहे वो स्कूल हो, नौकरी हो या समाज। उन्हें भी अपने सपनों को पूरा करने का पूरा अधिकार है। आज के समय में कई संगठन और स्कूल इस दिशा में काम कर रहे हैं। अब पहले की तुलना में लोग ज्यादा जागरूक हो रहे हैं। ऑटिज्म से जुड़े बच्चों के लिए स्पेशल एजुकेशन और थैरेपी जैसी सुविधाएं भी बढ़ रही हैं। अगर ऑटिज्म के लक्षण जल्दी पहचान लिए जाएं, तो सही थैरेपी और सपोर्ट से बच्चों की जिंदगी में बड़ा बदलाव लाया जा सकता है। वहीं मनो चिकित्सा विभाग के असिटेंट प्रोफेसर डा. हरीश चन्द्रा और डा. नमृता समेत मेडीसन के एचओडी डा. आरके गुप्ता ने कहा कि ऑटिज्म से पीड़ित बच्चों में शुरूआती उम्र से ही विकास संबंधी देरी, बोलने में कठिनाई, और सामाजिक संपर्क में कमी जैसे लक्षण दिखाई देते हैं। कहा कि समय रहते पहचान और सही उपचार बेहद जरूरी है, ताकि बच्चे को बेहतर जीवन जीने का अवसर मिल सके। कार्यक्रम को सफल बनाने में बाल रोग विभाग और मनो रोग विभाग समेत अन्य विभागों के जूनियर रेजीडेंस डा. मरीनल, डा. मोनिका, डा. निहारिका, डा. अक्षय, डा. आस्था, डा. अर्चिता, डा. सोनल, डा. चंदना, डा. अंकिता, डा. वैशाली, डा. .उर्वशी, डा. सचिन, डा. अपूर्व, डा. राजकुमार, डा. मंदीप, डा. प्रतीक, डा. शाहीन, डा. निखिल और डा. अमन समेत सभी गायनी के एचओडी डा. धन सिंह, सर्जरी के डा. यशपाल जिंदल, ईएनटी विभागाध्यक्ष डा. शिवांगी त्रिवेणी तथा सैकड़ों की संख्या में एमबीबीएस के छात्र-छात्राओं के साथ बड़ी संख्या में रेसीडेंस चिकित्सक मौजूद रहे।

35 वर्षीय महिला ने लगाई फांसी, छोटे बेटे ने देखा लटकता शव, मचा कोहराम।

(जीएनएस)।

दुद्धी/सोनभद्र। कोतवाली क्षेत्र के मझौली गांव में बुधवार सुबह एक हृदयविदारक घटना ने ग्रामीणों को सन्न कर दिया। लगभग 35 वर्षीय सितबिया पत्नी मुन्ना पठारी निवासी मझौली टोला मंडलीमहुआ, अपने ही कच्चे मकान के बड़ेर में साड़ी के फंदे से लटकती हुई मृत मिलीं। घर के छोटे बेटे 13 वर्षीय रवि ने सुबह मां को बड़ेर से लटकते देख चीखना-चिल्लाना शुरू कर दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतिका के सबसे छोटे पुत्र रवि गर्मी के कारण घर के बाहर चबूतरा पर सोया हुआ था, जबकि वृद्ध सास दूसरे कमरे में थीं। बच्चों की पुकार सुनकर आसपास के ग्रामीण इकट्ठा हो गए और ग्राम प्रधान ने घटना की सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही

कोतवाली से वरिष्ठ उप निरीक्षक संजय सिंह टीम के साथ घटनास्थल पहुंचे। ग्रामीणों की मदद से शव को फंदे से उतारा गया, पंचनामा भरकर पीएम के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र दुद्धी भेज दिया। पुलिस अग्रिम कार्रवाई में जुट गई है। मृतिका के पति मुन्ना पठारी निजी अस्पताल में एम्बुलेंस चालक हैं। वे घटना के समय रघुनाथनगर, छत्तीसगढ़ गए हुए थे। फोन पर खबर मिलने पर घर लौटे। उन्होंने बताया कि हम घर पर नहीं थे, पत्नी ने ऐसा क्यों किया यह समझ नहीं आ रहा है। पुलिस ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद पुलिस आगे जांच करेगी। मृतिका के तीन अविवाहित पुत्र हैं। दो बड़े बेटे काम के सिलसिले में बाहर थे। पुलिस घटना के कारणों की गहन जांच कर रही है।